▪ ज्येष्ठ शुक्ल - 6 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 19 ▪ अंक - 314 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- बेंगलूरु » बुधवार » 12-06-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 लोकसभा अध्यक्ष ऐसा हो जो पक्ष और विपक्ष, दोनों को साधकर सदन चला सके : महाजन

6 मणिपुर में शांति बहाल करना हो मोदी सरकार की प्राथमिकता

7 बचपन से ही अभिनेत्री बनना चाहती थी सिंपल कौर

फर्स्ट टेक

मुंबई हवाई अड्डे पर दो विदेशियों से 33 किलोग्राम सोना बरामद

मुंबई/भाषा। मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सीमा शुल्क विभाग ने अलग-अलग मामलों में दो विदेशी महिला नागरिकों के अंत:वस्त्रों और सामान में छिपाया 19.15 करोड़ रुपये मूल्य का कुल 32.79 किलोग्राम सोना जब्त किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि सोमवार को शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने के बाद अफ्रीकी देशों से आई दोनों महिला यात्रियों की संदेह के आधार पर तलाशी ली गई। दोनों मामलों में अंत:वस्त्रों और सामान में छिपाया गया सोना मिला। महिलाओं को गिरफ्तार कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है।

मलावी के उपराष्ट्रपति और 9 अन्य लोगों की विमान हादसे में मौत

ब्लांटायर (मलावी)/एपी। मलावी के उपराष्ट्रपति सोलोस चिलिमा और नौ अन्य लोगों की एक विमान दुर्घटना में मौत हो गई। देश के राष्ट्रपति लाजारस चकवेरा ने मंगलवार को यह जानकारी दी। जिस सैन्य विमान में चिलिमा यात्रा कर रहे थे, उसका मलबा देश के उत्तर में एक पहाड़ी क्षेत्र में मिला। एक दिन से अधिक समय तक चली खोज के बाद विमान का मलबा मिला। राष्ट्रपति चकवेरा ने सरकारी टेलीविजन पर कहा कि इस दुर्घटना में कोई भी जीवित नहीं बचा है। उपराष्ट्रपति चिलिमा और आठ अन्य लोगों को लेकर विमान इस दक्षिणी अफ्रीकी देश की राजधानी लिलोंग्वे से सोमवार सुबह 9.17 बजे रवाना हुआ था और इसे करीब 45 मिनट बाद राजधानी से 370 किलोमीटर दूर मजुजु अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर उतरना था।

जम्मू से माता वैष्णो देवी भवन तक सीधी हेलिकॉप्टर सेवा 18 जून से शुरू होगी

जम्मू/भाषा। जम्मू से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों में स्थित माता वैष्णो देवी के भवन गुफा मंदिर तक आने-जाने के लिए 18 जून से हेलीकॉप्टर सेवा शुरू होगी। श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड (एसएमवीडीबी) ने सोमवार को यह घोषणा की। यह कदम तीर्थयात्रा को सुव्यवस्थित करने और दुनिया भर से गुफा मंदिर में पूजा करने के लिए आने वाले भक्तों को बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के निरंतर प्रयासों के तहत उठाया गया है। एसएमवीडीबी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अंशुल गर्ग ने कहा, बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए बोर्ड ने 18 जून से जम्मू से भवन तक सीधे हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू करने का निर्णय लिया है। गर्ग ने कहा कि पैकेज के तहत भक्तों को बैटरी कार सेवा, प्राथमिकता पर दर्शन, प्रसाद और रोपवे सेवा सहित अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

सूर्यास्त 12-06-2024	सूर्योदय 13-06-2024
6:45 बजे	5:53 बजे

BSE	NSE
76,456.59 (-33.48)	23,264.85 (+5.65)

सोना	चांदी
7,380 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	91,100 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

घाटी के दुश्मन

दहशतगर्दों के चक्कर में,
है परेशान सारा सूबा।
अलगाववादियों का रुख ही,
घाटी वालों को ले डूबा।
नेताओं की खुदगर्जी से,
कश्मीरी जनमन भी ऊबा,
खामोश रहो अब उमर मियां,
ना मुफ्त बको तुम महबूबा।।

हत्या के मामले में कन्नड़ फिल्म

अभिनेता दर्शन गिरफ्तार

मजिस्ट्रेट अदालत ने छह दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/भाषा। लोकप्रिय कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थूगुदीप और उनकी करीबी दोस्त एवं अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को एक व्यक्ति की हत्या के सिलसिले में मंगलवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, अभिनेता ने कथित तौर पर एक व्यक्ति की हत्या कर दी, जिसने उनके करीबी दोस्त के खिलाफ ''अपमानजनक'' टिप्पणी की थी।

दर्शन और 12 अन्य लोगों को आज हिरासत में लेने के बाद पुलिस ने उनसे पूछताछ की और बाद में उन्हें रेणुकास्वामी नामक व्यक्ति की हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। रेणुकास्वामी का शव यहां नौ जून को बरामद किया गया था।

दर्शन और पवित्रा को बेंगलूरु की मजिस्ट्रेट अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें छह दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, आरोप है कि एक फार्मा कंपनी में काम करने वाले रेणुकास्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के खिलाफ कुछ अश्लील टिप्पणी की थी।

आदिवासी नेता मोहन चरण माझी होंगे ओडिशा के नए मुख्यमंत्री

के.वी. सिंह देव और प्रभाती परिदा को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। भाजपा के आदिवासी नेता और चार बार के विधायक मोहन चरण माझी ओडिशा के नए मुख्यमंत्री होंगे। भाजपा राज्य में विधानसभा चुनावों में स्पष्ट जनादेश के साथ सत्ता में आई है। माझी के नाम की घोषणा करते हुए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को यहां कहा कि छह बार के विधायक के.वी. सिंह देव और पहली बार विधायक बनीं प्रभाती परिदा को राज्य का उपमुख्यमंत्री बनाया जाएगा।

भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के साथ ही राज्य में बीजू जनता दल (बीजद) का 24 साल का शासन खत्म हो गया। ये निर्णय भाजपा विधायक दल की बैठक में लिए गए, जिसमें सिंह और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए थे। बैठक में माझी (52) को विधायक दल ने सर्वसम्मति से नेता चुना है।

माझी बीजद सुप्रीमो नवीन पटनायक की जगह लेंगे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा

सीमा पर बाकी बचे मुद्दों को सुलझाने पर ध्यान केंद्रित होगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत, चीन के साथ सीमा पर शेष मुद्दों को हल करने पर ध्यान केंद्रित करेगा। पूर्वी लद्दाख में चार साल से अधिक समय से जारी सीमा विवाद के कारण दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों में काफी तनाव आया है।

विदेश मंत्री के रूप में कामकाज संभालने के कुछ ही समय बाद जयशंकर ने पाकिस्तान से होने वाले सीमापार आतंकवाद का जिक्र किया और कहा कि इस चुनौती से निपटने के लिए प्रयास किये जाएंगे।

विदेश मंत्री ने कहा कि 'भारत प्रथम' और 'वसुधैव कुटुम्बकम' भारतीय विदेश नीति के दो दिशानिर्देशक सिद्धांत होंगे। चीन के साथ संबंधों पर जयशंकर ने कहा कि उस देश की सीमा पर कुछ मुद्दे बने हुए हैं और उन्हें सुलझाने की कोशिश की जाएगी। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''चीन को लेकर हमारा ध्यान इस बात पर होगा कि बाकी मुद्दों को कैसे सुलझाया जाए।''

इस्लामाबाद को लेकर नई सरकार के रुख के बारे में पूछे जाने पर जयशंकर ने प्रमुख मुद्दे के रूप में सीमापार आतंकवाद के लिए पाकिस्तान के समर्थन को चिह्नित किया। उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान के साथ हमारा आतंकवाद का मुद्दा है - सीमा पार आतंकवाद - हम इसका समाधान कैसे ढूंढ़ सकते हैं... यह एक अच्छे पड़ोसी की नीति नहीं हो सकती।''

शाह, जयशंकर समेत केंद्र में नई सरकार के विभिन्न मंत्रियों ने कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए मंत्रियों में अमित शाह, डॉ एस जयशंकर , किरन रिजिजू और सर्बानंद सोनोवाल समेत विभिन्न मंत्रियों ने अपने-अपने कार्यभार संभाल लिए हैं। अमित शाह समेत कई मंत्रियों ने मंगलवार को कार्यभार संभालने के बाद अपने विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठकें कीं।

आज कार्यभार ग्रहण करने वाले मंत्रियों में जगत प्रकाश नड्डा, मनोहर लाल, अर्जुन राम मेघवाल, ज्योतिरादित्य सिंधिया, शिवराज सिंह चौहान , गिरिराज सिंह और अश्विनी वैष्णव भी शामिल हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने प्रधानमंत्री की सिफारिश पर कल नई सरकार के मंत्रियों के विभागों की अधिसूचना जारी की। रविवार को प्रधानमंत्री, उनकी सरकार के 30 नए कैबिनेट मंत्रियों , पांच राज्य मंत्रियों (स्वतंत्र प्रभार) और 36 राज्य मंत्रियों को शपथ दिलायी गयी थी।

नीतियों को जमीनी स्तर तक ले जाने पर रहेगा जोर : शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय का कार्यभार संभालते हुए जमीनी स्तर पर नीतियों को लागू कर सहकारिता क्षेत्र को मजबूत करने का संकल्प जताया।

शाह ने मंगलवार को सहकारिता मंत्रालय पहुंचकर इसका कार्यभार संभाला और अपने मंत्रालय की प्राथमिकताओं पर रोशनी डाली। उन्होंने कहा कि सहकारिता क्षेत्र के लिए 100 दिन की योजना को लागू किया जाना है। शाह ने कहा, ''हमने पिछले कार्यकाल में सहकारिता क्षेत्र के विकास की नींव रखी। हम अगले पांच साल में नीतियों को जमीनी स्तर पर लागू करने को लेकर ध्यान केंद्रित करेंगे।''

विकसित भारत के लिए मिलकर काम करेंगे : चौहान

नई दिल्ली/एजेन्सी। शिवराज सिंह चौहान ने मंगलवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर कार्य करेगा। किसान कल्याण प्रधानमंत्री की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा, मैं, मेरे साथी मंत्रीगण और अधिकारी एक टीम के रूप में मिलकर काम करेंगे। परिश्रम की पराकाष्ठा और प्रयत्नों की परिसीमा करेंगे। उन्होंने कहा, संकल्प पत्र अधिकारियों को सौंपा गया है जिसमें किसानों के कल्याण के कौन से कदम उठाएंगे, उसके वचन और मोदी जी की गारंटी भी है। किसान कल्याण के प्रत्येक संकल्प को पूरा करने के लिए भी आज काम प्रारंभ होगा।

समान नागरिक संहिता हमारे एजेंडे का हिस्सा : मेघवाल

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने मंगलवार को कहा कि समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करना सरकार के एजेंडे का हिस्सा है। उन्होंने यह भी कहा कि उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों की नियुक्ति, पदोन्नति और स्थानांतरण से संबंधित प्रक्रिया ज्ञापन के मुद्दे पर एक समाधान खोजा जाएगा,

जिसे अंतिम रूप दिया जाना बाकी है। मेघवाल ने इस बात से भी इनकार किया कि न्यायपालिका और कार्यपालिका के बीच टकराव है। उन्होंने मंगलवार को विधि और न्याय मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के रूप में कार्यभार संभाला। पिछली मोदी सरकार में भी उनके पास यही विभाग था। मेघवाल ने अपने मंत्रालय में प्रमुख रिक्तियों पर एक सवाल के जवाब में कहा, ''जहां भी रिक्तियां हैं, चाहे वह उच्चतम न्यायालय, उच्च न्यायालय या हमारा मंत्रालय या अधीनस्थ अदालतें हों, हम उन्हें जल्द से जल्द भरने का प्रयास करेंगे।''

कठुआ के गांव में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के कठुआ जिले के एक गांव में मंगलवार शाम आतंकवादियों ने गोलीबारी की जिसके बाद सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में एक आतंकवादी को मार गिराया। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा कि आतंकवादी हीरानगर सेक्टर में कूटा मोड के पास सैदा सुखल गांव में थे। उन्होंने कहा कि घटना के विवरण की प्रतीक्षा है। अधिकारियों ने कहा कि शाम करीब 7.45 बजे तीन व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधि के बाद पुलिस और अन्य सुरक्षा बल गांव पहुंचे। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों द्वारा शोर मचाने के बाद कुछ गोलियां चलने की आवाज सुनी गई, माना जा रहा है कि ये गोलियां संदिग्ध आतंकवादियों ने चलाई थीं।

योग को जीवन का अभिन्न अंग बनाएं, दूसरों को भी प्रोत्साहित करें : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस से पहले मंगलवार को लोगों से योग को अपने जीवन का अभिन्न अंग बनाने की प्रतिबद्धता दोहराने और दूसरों को भी ऐसा करने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि अगले 10 दिनों में दुनिया 10वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाएगी जो एकता और सौहार्द के इस अभ्यास को इंगित करता है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि योग सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं से आगे बढ़ चुका है और समग्र तंदुरुस्ती के लिए दुनियाभर में लाखों लोगों को एकजुट कर रहा है।

मोदी ने कहा, जैसा कि हम इस वर्ष के योग दिवस के करीब हैं, योग को हमारे जीवन का अभिन्न अंग बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराना और दूसरों को भी इसे अपने जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

प्रधानमंत्री ने कहा, योग हमें शांति प्रदान करता है, जिससे हम जीवन की चुनौतियों का शांति और धैर्य के साथ सामना कर सकते हैं। उन्होंने योग के विभिन्न रूपों और उनके लाभों को दर्शाने वाला एक वीडियो भी साझा किया।

प्रियंका वाराणसी से लड़ती तो प्रधानमंत्री मोदी का हारना तय था : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली/एजेन्सी। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और नवनिर्वाचित सांसद राहुल गांधी ने मंगलवार को दावा किया कि लोकसभा चुनाव में वाराणसी से यदि उनकी बहन और पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा चुनाव लड़ी होतीं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का दो तीन लाख मतों से चुनाव हारना तय था।

चुनाव में जीत के लिये रायबरेली और अमेठी की जनता का आभार व्यक्त करने आये गांधी ने कहा कि चुनाव परिणामों के जरिये रायबरेली और अमेठी समेत पूरे उत्तर प्रदेश से यह संदेश गया है कि जनता नफरत और अहंकार की राजनीति के खिलाफ है और संविधान में छेड़छाड़ के किसी भी प्रयास को बर्दाश्त नहीं करेगी।

उन्होने कहा कि अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की करारी हार हुयी जबकि वाराणसी में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जान बचा कर निकले हैं। उन्होने कहा मैं तो पहले ही अपनी बहन प्रियंका से कह रहा था कि वाराणसी से चुनाव लड़ जाओ और अगर वह मेरी बात मान लेती तो प्रधानमंत्री दो से तीन लाख मतों से चुनाव हारते।

गांधी ने कहा प्रधानमंत्री मोदी अक्सर कहते हैं कि वह कुछ नहीं करते,सब उनका भगवान कराता है। मै समझ नहीं पता हूं कि कैसा है उनका भगवान जो अंबानी अडानी की मदद कराता है। अब जब जनता ने अपना फैसला सुनाया है तो सबने देखा कि वह संविधान को सिर पर उठाये थे। यही जनता की ताकत है।

उन्होने कहा कि लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत का एक कारण एकजुटता रही। पहले भी गठबंधन में चुनाव लड़े गये मगर शिकायत होती थी कि सहयोगी दल का साथ नहीं मिला मगर इस चुनाव में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के कार्यकर्ता पूरी तन्मयता से एक दूसरे का साथ निभाते नजर आये।

उत्तर कोरिया के सैनिकों के अंतर-कोरियाई सीमा पार करते ही तनाव बढ़ा

सोल/एजेन्सी। उत्तर कोरिया के 20 सैनिकों के कुछ देर के लिए अंतर-कोरियाई भूमि सीमा पार करने के बाद उत्तर और दक्षिण कोरिया के बीच तनाव और बढ़ गया। ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों ने रविवार दोपहर लगभग 12.30 बजे सीमा के मध्य भाग में दोनों कोरिया को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के भीतर सैन्य सीमांकन रेखा (एमडीएल) को पार कर लिया। योनहाप समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार जेसीएस ने कहा कि दक्षिण कोरियाई सेना ने चेतावनी प्रसारण किया और चेतावनी वाली गोलियां चलाईं जिससे उत्तर कोरियाई सैनिकों को सीमा के अपने हिस्से में लौटने के लिए मजबूर होना पड़ा। चेतावनी के बाद कोई असामान्य गतिविधि नहीं हुई। जेसीएस के प्रवक्ता कर्नल ली सुंग-जून ने कहा कि सेना का आकलन है कि सैनिक डीएमजेड के अंदर एक अनिर्दिष्ट कार्य पर काम कर रहे थे।

नीट-2024 पेपर विवाद:

काउंसलिंग पर रोक से उच्चतम न्यायालय का इनकार

एनटीए को नोटिस जारी कर जवाब तलब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/एजेन्सी। उच्चतम न्यायालय ने मेडिकल कॉलेज स्नातक स्तर की पढ़ाई के लिए पांच मई को आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) 2024 में कथित तौर पर परीक्षा से पहले प्रश्न पत्र सार्वजनिक (पेपर लीक) होने संबंधी गड़बड़ी और धोखाधड़ी के आरोप वाली याचिकाओं के मद्देनजर दाखिले से संबंधित काउंसलिंग की प्रक्रिया पर रोक लगाने से मंगलवार को इनकार कर दिया, लेकिन इस मामले में की राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अवकाशकालीन पीठ ने शिवांगी मिश्रा और अन्य द्वारा दायर याचिकाओं पर कहा कि कई सवाल उठाए गए हैं। परीक्षा की पवित्रता बनाए रखी जानी चाहिए। शीर्ष अदालत ने परीक्षा आयोजित करने वाली संस्था एनटीए से जवाब मांगते हुए कहा कि वह इस मामले में आठ जुलाई को अगली सुनवाई करेगी। हालांकि, पीठ ने याचिकाकर्ताओं द्वारा किए गए मौखिक अनुरोध पर काउंसलिंग प्रक्रिया पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता मैथ्यूज जे नेदुम्परा ने कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक की खबर सुनकर वे अंदर तक हिल गए हैं। वे बहुत तनाव और चिंता में हैं, क्योंकि उन्होंने और उनके परिवार के सदस्यों ने एक दिन मेडिकल प्रैक्टिशनर बनने का सपना देखा था।

चंद्रबाबू आज लेंगे आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री पद की शपथ, प्रधानमंत्री मोदी भी रहेंगे मौजूद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू बुधवार को चौथी बार आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा और बंडी संजय कुमार के साथ-साथ कई अन्य नेताओं के शामिल होने की उम्मीद है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सूत्रों ने बताया कि अमित शाह आज रात यहां पहुंचेंगे और नायडू से उनके आवास पर मुलाकात करेंगे।

राजग नेताओं के अनुरोध के बाद राज्यपाल एस. अब्दुल नजीर ने मंगलवार को नायडू को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया।

बाद में शाम को नायडू ने यहां राजभवन में नजीर से मुलाकात की। तेदेपा प्रमुख विजयवाड़ा के बाहरी इलाके केसरपल्ली में गन्नावरम हवाई

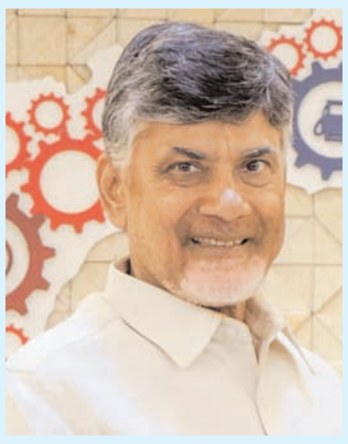

अड्डे के सामने मेधा आईटी पार्क के पास पूर्वाह्न 11.27 बजे शपथ लेंगे। मंगलवार को तेलुगू देशम विधायक दल और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के घटक दलों ने नायडू को अपना नेता चुना।

विधायकों को संबोधित करते हुए नायडू ने कहा कि वह अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र राजधानी के रूप में विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। नायडू ने कहा, आप सभी के सहयोग से मैं कल (मुख्यमंत्री के रूप में) शपथ ग्रहण कर रहा हूं और इसके लिए मैं आप सभी का आभार व्यक्त करता हूं। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आ रहे हैं।

चौथी बार मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने की घोषणा करते हुए नायडू ने कहा कि उन्होंने राज्य के लिए केंद्र सरकार से सहयोग मांगा है और कहा कि उन्हें इसका आश्वासन दिया गया है।

बैठकों के बाद, तेदेपा, भाजपा और जनसेना सहित राजग के नेताओं ने राज्यपाल से मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया।

रियासी में आतंकी हमले के बावजूद श्रद्धालु शिव खोरी मंदिर में कर रहे हैं दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रियासी (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। जम्मू-कश्मीर में श्रद्धालुओं को ले जा रही बस पर आतंकी हमले में नौ लोगों की मौत के बाद भी भक्त डरे नहीं हैं और सुरक्षा बलों और भगवान में विश्वास रखते हुए शिव खोरी मंदिर का रुख कर रहे हैं।

श्रद्धालु मंगलवार को पोनी क्षेत्र के तेरयाथ गांव के निकट घटनास्थल पर कुछ देर के लिए रुके तथा उन्होंने 'भारत माता की जय' और 'भारतीय सेना जिंदाबाद' के नारे लगाए एवं मृतकों के लिए प्रार्थना की। महाराष्ट्र से आए 20 लोगों के समूह में शामिल प्रमिला बजाज ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हमें आतंकवादी हमले के बारे में खबरों से पता चला, लेकिन हमने माता रानी (वैष्णो देवी) के दर्शन के लिए अपनी यात्रा जारी रखने का निर्णय लिया। समूह माता वैष्णो देवी मंदिर में दर्शन के बाद शिव खोरी मंदिर जाने के दौरान घटनास्थल पर रुका और मौके को देखा जहां बस

अब भी खाई में पड़ी थी। रविवार शाम को इसी बस पर हमला किया गया था। बजाज ने कहा, जो कुछ भी हुआ वह भयानक था। मृतकों में एक दो साल का बच्चा और उसकी मां शामिल हैं... हम दिवंगत आत्माओं के लिए प्रार्थना करते हैं। आतंकवादियों ने श्रद्धालुओं को शिव खोरी मंदिर से कटरा में माता वैष्णो देवी मंदिर ले जा रही 53 सीट वाली बस पर पोनी इलाके में तेरयाथ गांव के पास रविवार को गोलीबारी कर दी थी। हमले के बाद बस खाई में जा गिरी थी। वाहन में उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के श्रद्धालु सवार थे। घटना में नौ लोगों की मौत हो गई थी तथा 41 अन्य चोटिल हो गए थे।

भारतीय विश्वविद्यालयों को साल में दो बार प्रवेश देने की अनुमति होगी : यूजीसी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को अब विदेशी विश्वविद्यालयों की तर्ज पर वर्ष में दो बार प्रवेश देने की अनुमति मिल जाएगी और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने इस संबंध में योजना को मंजूरी दे दी है। यूजीसी अध्यक्ष जगदीश कुमार ने यह जानकारी दी। कुमार ने बताया कि शिक्षण सत्र 2024-25 से जुलाई-अगस्त और जनवरी-फरवरी में दो बार प्रवेश प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''यदि भारतीय विश्वविद्यालय वर्ष में दो बार प्रवेश दे सकें, तो इससे ऐसे छात्रों को लाभ होगा, जो बोर्ड परीक्षा के परिणामों की घोषणा में देरी, स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं या व्यक्तिगत कारणों से जुलाई-अगस्त सत्र में किसी विश्वविद्यालय में प्रवेश लेने से चूक जाते हैं।'' उन्होंने कहा,

''साल में दो बार विश्वविद्यालयों में प्रवेश से छात्रों को प्रेरणा बनाए रखने में मदद मिलेगी क्योंकि यदि वे वर्तमान सत्र में प्रवेश से चूक जाते हैं तो उन्हें प्रवेश पाने के लिए एक पूरा वर्ष इंतजार नहीं करना पड़ेगा। साल में दो बार प्रवेश के साथ, उद्योग जगत के लोग भी वर्ष में दो बार अपने 'कैंपस' चयन की प्रक्रिया संचालित कर सकते हैं, जिससे स्नातकों के लिए रोजगार के अवसर बेहतर होंगे।'' यूजीसी प्रमुख ने बताया कि साल में दो बार प्रवेश से उच्च शिक्षण संस्थानों (एचईआई) को अपने संसाधन वितरण, जैसे संकाय, प्रयोगशाला, कक्षाएं और सहायक सेवाओं की योजना अधिक कुशल बनाने में मदद मिलेगी, जिसके परिणामस्वरूप विश्वविद्यालय के भीतर सुगमता से कामकाज होगा।

कुमार ने कहा, ''दुनियाभर के विश्वविद्यालय पहले से ही द्विवार्षिक प्रवेश प्रणाली का पालन कर रहे हैं। यदि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश चक्र को अपनाते हैं, तो हमारे उच्च शिक्षा संस्थान अपने अंतरराष्ट्रीय सहयोग और छात्र आदान-प्रदान को बढ़ा सकते हैं। परिणामस्वरूप, हमारी वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सुधार होगा और हम वैश्विक शैक्षिक मानकों के अनुरूप होंगे।'' उन्होंने कहा, ''यदि उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश को अपनाते हैं, तो उन्हें प्रशासनिक पेचीदगियों, उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए अच्छी योजना बनाने तथा वर्ष के अलग-अलग समय में प्रवेश पाने वाले छात्रों के साथ सुचारू तरीके से तालमेल बैठाने की खातिर निर्बाध सहायता प्रणाली प्रदान करनी होगी। उच्च शिक्षा संस्थान द्विवार्षिक प्रवेश की उपयोगिता को तभी अधिकतम कर सकते हैं, जब वे संकाय सदस्यों, कर्मचारियों और छात्रों को बदलाव के लिए पर्याप्त रूप से तैयार करें।''

अब संसद को मनमाने ढंग से नहीं चलाया जा सकेगा, जनांदोलन तेज होंगे : येचुरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) के महासचिव सीताराम येचुरी ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की संख्या कम होने का अर्थ है कि संसद को मनमाने ढंग से नहीं चलाया जा सकेगा। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' को दिए एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह के लिए विपक्ष के अधिकतर नेताओं को निमंत्रण नहीं मिला था।

माकपा नेता ने कहा, ''ये परिणाम भाजपा और नरेन्द्र मोदी के लिए एक बड़ा झटका हैं...तथ्य यह है कि उन्होंने कल शपथ ली है, आपको ध्यान देने वाली महत्वपूर्ण बात यह है कि उन्होंने भाजपा के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ नहीं ली है। उन्होंने राजग सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली है।''

येचुरी ने कहा, ''उन्होंने (भाजपा) इस पूरे चुनाव अभियान को 400 पार करने के लक्ष्य के साथ शुरू किया था। '400 पार' का नारा दिया गया। अंततः वे 240

तक पहुंचे। उनके पास पहले की तुलना में 63 सीटें कम है।''

शपथ ग्रहण समारोह में अधिकतर विपक्षी नेताओं के शामिल नहीं होने के बारे में पूछे जाने पर कहा, ''मुझे कोई निमंत्रण नहीं मिला...राजनीति में रहने के इन सभी वर्षों में संसद में प्रतिनिधित्व करने वाले राजनीतिक दलों के नेताओं को हमेशा ऐसे अवसरों के लिए आमंत्रित किया जाता है। लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, ''संसद को उस तरह से मनमाने ढंग से नहीं चलाया जा सकता जैसा उन्होंने पिछले 10 वर्ष में चलाया।''

युचेरी का कहना था, ''उम्मीद यह है कि यह हमारे देश और लोगों की रक्षा में एक बहुत मजबूत आवाज होगी। लोगों के मुद्दों को स्पष्ट रूप से उठाया जाएगा और संसद को चर्चा होगी, जो पिछले 10 वर्ष में नहीं हुई।'' उन्होंने यह भी कहा कि जनांदोलनों को भी ताकत मिलेगी।

पंजाब के मुख्यमंत्री से मिलने की मांग को लेकर चंडीगढ़ में टावर पर चढ़ा व्यक्ति

चंडीगढ़/भाषा। चंडीगढ़ में एक व्यक्ति भूमि विवाद के समाधान के लिए पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान से मिलने की मांग को लेकर मंगलवार को 125 फुट ऊंचे मोबाइल टावर पर चढ़ गया। पांच घंटे बाद पुलिस उसे नीचे उतरने के लिए मनाने में कामयाब रही। उसे 'स्काईलिफ्ट' सीढ़ी की मदद से नीचे उतारा गया।

चंडीगढ़ के पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) गुरमुख सिंह ने बताया कि सुबह करीब साढ़े आठ बजे सूचना मिली कि सेक्टर 17 में एक व्यक्ति मोबाइल टावर पर चढ़ गया है। उन्होंने बताया कि घटनास्थल के पास एक दमकल गाड़ी और एक एम्बुलेंस तैनात की गई। डीएसपी ने बताया कि हरियाणा में जींद का रहने वाला विक्रम पंजाब के मानसा जिले में एक भूमि विवाद में उलझा हुआ है और उसने दावा किया कि मामले में उसकी शिकायत पर कोई कार्रवाई नहीं की गई।

इंदौर के बाद ऋषिकेश में ट्रेन के भीतर मिले युवती के अवशेष, हत्या का राज गहराया

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। इंदौर में एक ट्रेन में एक अज्ञात युवती का दो हिस्सों में कटा शव मिलने के बाद इस हत्या की गुत्थी और उलझ गई, क्योंकि यहां से करीब 1,150 किलोमीटर दूर ऋषिकेश में एक अन्य ट्रेन के भीतर उसके दोनों हाथ और दोनों पैर बरामद किए गए। शासकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इंदौर के जीआरपी थाना प्रभारी संजय शुक्ला ने बताया कि इंदौर के लक्ष्मीबाई नगर से ऋषिकेश पहुंची एक ट्रेन में सोमवार दोपहर एक युवती के दोनों हाथ और दोनों पैर प्लास्टिक के बोरे से बरामद किए गए। उन्होंने बताया कि इससे पहले एक सफाई कर्मचारी की सूचना पर डॉ. आम्बेडकर नगर-इंदौर यात्री ट्रेन से 20 से 25 साल की उम्र वाली युवती का क्षत-विक्षत शव रविवार को यहां बरामद किया गया था। शुक्ला ने बताया,''युवती के सिर से कमर तक का हिस्सा ट्रेन में एक ट्रॉली बैग में मिला, जबकि उसकी कमर से नीचे का भाग प्लास्टिक की बोरी में बंद पाया गया था। युवती के दोनों हाथ और दोनों पैर गायब थे जो अब ऋषिकेश में ट्रेन मिल गए हैं।

जीआरपी थाना प्रभारी ने बताया,हमें मिले सुरागों से पता चला है कि इंदौर और ऋषिकेश में दो दिनों के भीतर अलग-अलग ट्रेनों में मिले अंग एक ही युवती के हैं। हालांकि, हम इसकी पुष्टि के लिए इन अंगों का डीएनए मिलान कराएंगे। उन्होंने बताया कि ऋषिकेश में ट्रेन में मिले युवती के हाथ पर एक महिला और एक पुरुष का नाम गुदा है जिससे लगता है कि वह गुजरात या गुजरात से सटे मध्यप्रदेश के किसी इलाके की रहने वाली थी।

पावर ग्रिड सब-स्टेशन में आग से दिल्ली के कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के उपराज्यपाल सचिवालय और मुख्यमंत्री आवास वाले क्षेत्र सहित राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में मंगलवार दोपहर को अलग-अलग समय के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। उत्तर प्रदेश के मंडोला में पावर ग्रिड के सब-स्टेशन में आग लगने से आपूर्ति पर असर पड़ा।

दिल्ली में बिजली वितरण करने वाली कंपनियों के अधिकारियों ने बताया कि बिजली आपूर्ति बाधित होने से मुख्य रूप से मध्य और पूर्वी दिल्ली के कई इलाके प्रभावित हुए। उत्तरी दिल्ली के कुछ इलाकों में भी बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली वितरण कंपनी के एक अधिकारी ने कहा, ''उत्तरी दिल्ली के सिविल लाइंस, मॉडल टाउन, कश्मीरी गेट, गुलाबी बाग, शक्ति नगर और विजय नगर जैसे इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित रही। हालांकि, एक घंटे के भीतर आपूर्ति बहाल कर दी गई।'' उन्होंने बताया कि उपराज्यपाल आवास और मुख्यमंत्री आवास की बिजली आपूर्ति भी कुछ समय के लिए प्रभावित रही। उन्होंने कहा कि पूर्वी, मध्य, दक्षिण और उत्तरी दिल्ली के आईटीओ, लक्ष्मी नगर, लाजपत नगर, जामिया, नरेला, मॉडल टाउन, रोहिणी, गोपालपुर, सब्जी मंडी, वजीरपुर और कश्मीरी गेट जैसे इलाकों में भी कुछ समय के लिए बिजली गुल रही। दिल्ली की बिजली मंत्री आतिशी ने इस घटना को बेहद चिंताजनक बताते हुए कहा कि वह ऐसी स्थिति की रोकथाम सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बिजली मंत्री और पावर ग्रिड कॉरपोरेशन के चेयरमैन से मुलाकात करेंगी। आतिशी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के मंडोला में स्थित पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के सब-स्टेशन में आग लगने से राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में बिजली गुल हो गई।

महिलाओं को 1000 रुपये मानदेय देने की मांग को लेकर आतिशी के आवास के बाहर प्रदर्शन

नई दिल्ली/भाषा। महिला मंच की सदस्यों ने मंगलवार को दिल्ली की वित्त मंत्री आतिशी के आवास के बाहर विरोध प्रदर्शन किया और आम आदमी पार्टी (आप) सरकार से शहर की महिलाओं को 1000 रुपये मानदेय देने की उसकी बजट घोषणा को पूरा करने की मांग की। मथुरा रोड पर स्थित मंत्री के आवास के बाहर प्रदर्शनकारियों ने नारे लगाए।

एक प्रदर्शनकारी सफिया फहीम ने कहा, आप सरकार ने अपने बजट में महिलाओं को 1000 रुपये प्रति माह मानदेय देने की घोषणा की थी। यह कोई चुनावी वादा नहीं था, इसलिए सरकार को अब महिलाओं को यह पैसे देने चाहिए। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर दिया गया और किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कुछ महिलाएं मंत्री आतिशी के आवास के बाहर प्रदर्शन कर रही थीं। महिलाएं शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहीं थी, जिससे किसी को भी हिरासत में नहीं लिया गया है।

बीपीसीएल बनाएगी नई रिफाइनरी, भारत की रूस, अन्य देशों के साथ तेल सौदे पर नजर: पुरी

नई दिल्ली/भाषा। पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने मंगलवार को दूसरी बार मंत्रालय का कार्यभार संभाला।

इस मौके पर उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र की भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) एक नई तेल रिफाइनरी बनाने पर विचार कर रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तीसरे कार्यकाल में अपनी प्राथमिकताओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत की आयात निर्भरता को कम करने के लिए अधिक तेल और गैस की खोज और उत्पादन पर जोर दिया जाएगा।

इसके अलावा सरकार की शीर्ष प्राथमिकताओं में हरित हाइड्रोजन, प्राकृतिक गैस और रिफाइनिंग तथा पेट्रोरसायन शामिल हैं।

सीबीआई भारतीयों को रूस भेजने वाले मानव तस्करों के खिलाफ इंटरपोल नोटिस की मांग करेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) आकर्षक नौकरियों का प्रलोभन देकर भारतीय नागरिकों को रूस-यूक्रेन युद्ध क्षेत्र में धकेलने वाले मानव तस्कर गिरोह से जुड़े तीन आरोपियों के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस की मांग करेगी। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने कहा कि सीबीआई कथित हवाला ऑपरेटर रमेश कुमार पलानीसामी, मोहम्मद मोइनुद्दीन चिप्पा और फैसल अब्दुल मुतालिब खान को हिरासत में लेकर पूछताछ करना चाहती है, ताकि पूरी साजिश का खुलासा हो सके। समझा जाता है कि पलानीसामी और मोइनुद्दीन चिप्पा रूस में हैं जबकि फैसल खान के संयुक्त अरब अमीरात में होने का अनुमान है। इंटरपोल रेड नोटिस 196 सदस्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों से एक अनुरोध होता है कि वे प्रत्यर्पण, आत्मसमर्पण या इसी तरह की अन्य कानूनी कार्रवाई लंबित रहने तक किसी खास व्यक्ति का पता लगाएं और उसे अस्थायी रूप से गिरफ्तार करें। सीबीआई तीनों आरोपियों को प्रत्यर्पित करना चाहती है ताकि वे कानूनी कार्रवाई का सामना कर सकें और जांच में शामिल हो सकें। एजेंसी ने मार्च में देश भर में संचालित मानव तस्करी नेटवर्क का खुलासा किया था, जो भारतीय युवाओं को आकर्षक नौकरियों के बहाने रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर धकेल रहे थे।

सीबीआई ने प्राथमिकी में 247 आरएएस ओवरसीज फाउंडेशन, केजी मार्ग और इसके निदेशक सुयश मुकुट, ओएसडी ब्रोस ट्रैवल्स एंड वीजा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई और इसके निदेशक राकेश पांडेय, एडवेंचर वीजा सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, चंडीगढ़ और इसके निदेशक मंजीत सिंह, बाबा व्लॉग्स ओवरसीज रिक्रूटमेंट सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड, दुबई और इसके निदेशक फैसल अब्दुल मुतालिब खान उर्फ बाबा को नामजद किया है। सीबीआई द्वारा की गई जांच से पता चलता है कि दुबई स्थित फैसल खान ने कथित तौर पर अपने यूट्यूब चैनल का इस्तेमाल भारतीयों को रूसी सेना में सुरक्षा गार्ड या सहायक के रूप में नौकरी दिलाने के लिए किया, जिसमें उन्हें अच्छे वेतन सहित विभिन्न सुविधाओं का वादा किया गया। उन्होंने कहा कि एजेंसी को 35 ऐसे मामले मिले हैं, जिनमें युवाओं को सोशल मीडिया चैनलों के माध्यम से प्रलोभन देकर रूस ले जाया गया। सीबीआई की प्राथमिकी में कहा गया है, उन्हें लड़ाकू भूमिकाओं के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा था और रूसी सेना की वर्दी आदि प्रदान किये गए।

छत्तीसगढ़: बलौदाबाजार शहर में आगजनी के बाद पुलिस ने दर्ज किए मामले, कई गिरफ्तार

बलौदाबाजार/भाषा। छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार जिले में धार्मिक स्तंभ को नुकसान पहुंचाने के विरोध में सोमवार को सतनामी समाज के आंदोलन के दौरान हुई हिंसा के बाद पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज की है तथा आरोपियों को गिरफ्तार करने के लिए 12 दलों का गठन किया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक हिंसा में शामिल कई लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

धार्मिक स्तंभ 'जैतखाम' को नुकसान पहुंचाने के विरोध में सोमवार को सतनामी समाज ने आंदोलन किया था। विरोध प्रदर्शन के दौरान भीड़ ने सरकारी कार्यालयों, दो दर्जन कारों और 70 से अधिक दोपहिया वाहनों में आग लगा दी थी। अधिकारियों ने बताया कि हिंसा के दौरान पथराव में करीब 50 पुलिसकर्मी घायल हुए। बलौदाबाजार-भाटापारा के पुलिस अधीक्षक सदानंद कुमार ने बताया, ''हमने सोमवार की घटना के सिलसिले में सात मामले दर्ज किए हैं। पुलिस की 12 टीम गठित की गई हैं, जिन्हें आगजनी में शामिल लोगों का पता लगाने के लिए अलग-अलग स्थानों पर भेजा गया है।

कुमार ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज, विरोध प्रदर्शन की वीडियोग्राफी और मीडियाकर्मियों सहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त वीडियो फुटेज के आधार पर मुख्य आरोपी और अन्य की पहचान की जा रही है। हम आरोपियों को पकड़ने के लिए पड़ोसी और अन्य जिलों के पुलिस अधीक्षकों के संपर्क में हैं। कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद इस संबंध में विवरण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि आगजनी में चार पहिया और दोपहिया वाहनों सहित 100 से अधिक वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

उद्योग जगत को विकासोन्मुखी नीतियों की उम्मीद, गठबंधन 'गतिरोधक' नहीं : शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। महिंद्रा समूह के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) एवं प्रबंध निदेशक अनीश शाह ने मंगलवार को कहा कि उद्योग जगत को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत सरकार के तीसरे कार्यकाल में भी वृद्धि को बढ़ाने वाली नीतियां जारी रहेंगी और गठबंधन राजनीति इसमें गतिरोधक नहीं बनेगी।

विकास एजेंडा को जारी रखने के अलावा उद्योग को उम्मीद है कि सरकार चार प्रमुख क्षेत्रों...विश्व के लिए विनिर्माण, महिलाओं के नेतृत्व में विकास, कृषि आधारित समृद्धि,

और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करेगी । शाह ने 'पीटीआई-भाषा' को दिए साक्षात्कार में कहा कि निजी पूंजीगत व्यय जो सरकारी पूंजीगत व्यय से पीछे रहा है उसके केंद्र में स्थिर सरकार के बने रहने से बढ़ने की उम्मीद है। शाह उद्योग चैंबर फिक्की के अध्यक्ष भी हैं। उन्होंने कहा, '' उद्योग के नजरिये से स्थिरता सकारात्मक है। सकारात्मक बात यह भी है कि इस सरकार ने दीर्घावधि वृद्धि के लिए पूंजीगत व्यय पर अधिक ध्यान केंद्रित किया है।'' गठबंधन राजनीति की मजबूरियों, जैसे कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हाल के आम चुनाव में स्पष्ट बहुमत नहीं मिलने से वृद्धि में बाधा आने के सवाल पर उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है। शाह ने कहा, '' यदि हम पिछले 20 या 30 वर्षों पर नजर डालें तो हमारे यहां कई गठबंधन सरकारें रहीं और अर्थव्यवस्था निरंतर प्रगति करती रही। हां, हम अब और अधिक तेजी से प्रगति की मांग कर सकते हैं, लेकिन पिछले 10 साल में जो कदम उठाए गए हैं और मंत्रालयों में भी जो स्थिरता है... उसे देखते हुए इस बात का विश्वास काफी बढ़ गया है कि वृद्धि का एजेंडा आगे भी जारी रहेगा।'' सरकार से विशिष्ट अपेक्षाओं के बारे में पूछे जाने पर शाह ने कहा, '' एक मैं कहूंगा कि उनकी विकासोन्मुखी नीतियों को जारी रखा जाएगा और दूसरा (चार) विशिष्ट क्षेत्रों में तेजी लाई जाएगी।''इनमें लागत कम करके विनिर्माण पर ध्यान केंद्रित करना और उच्च गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कारोबार सुगमता को बढ़ावा देना शामिल है।

उन्होंने कहा कि दूसरा क्षेत्र जिस पर ध्यान देने की आवश्यकता है....वह है महिलाओं के नेतृत्व वाला विकास। विनिर्माण में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना महत्वपूर्ण है।

नए मंत्रियों में 99 प्रतिशत करोड़पति, औसत संपत्ति 107 करोड़ रुपये: एडीआर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। देश में चुनाव सुधार की दिशा में काम करने वाली संस्था एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली नई मंत्रिपरिषद के 71 सदस्यों में से 70 यानी 99 प्रतिशत करोड़पति हैं और उनकी औसत संपत्ति 107.94 करोड़ रुपये है।

एडीआर ने कहा कि मंत्रियों में से छह ऐसे हैं जिनके पास 100 करोड़ रुपये से कहीं अधिक की संपत्ति है। मंत्रियों की ओर से अपनी संपत्ति की घोषणा के आधार पर एडीआर ने यह आकलन किया है। ग्रामीण विकास मंत्रालय संचार मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ चंद्रशेखर पेम्मासानी 5705.47 करोड़ रुपये की कुल संपत्ति के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं। उनकी संपत्ति में 5598.65 करोड़ रुपये की चल और 106.82 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। संचार मंत्री और पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया ने कुल 424.75 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। उनकी संपत्ति के ब्योरे में चल संपत्ति में 62.57 करोड़ रुपये और अचल संपत्ति में 362.17 करोड़ रुपये शामिल हैं। भारी उद्योग मंत्री और जनता दल (सेक्युलर) के इस्पात मंत्री एचडी कुमारस्वामी के पास 217.23 करोड़ रुपये की संपत्ति है। उनकी संपत्ति में 102.24 करोड़ रुपये की चल संपत्ति और 115.00 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति शामिल है। रेल मंत्री, सूचना एवं प्रसारण मंत्री और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कुल 144.12 करोड़ रु. की संपत्ति घोषित की है, जिसमें 142.40 करोड़ रुपये चल संपत्ति और 1.72 करोड़ रुपये अचल संपत्ति शामिल है।

हत्या के मामले में कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन पुलिस हिरासत में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। प्रमुख कन्नड़ फिल्म अभिनेता दर्शन थुगुदीपा को कथित हत्या के एक मामले में हिरासत में लिया गया है और पूछताछ जारी है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त बी दयानंद ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, दर्शन और 13 अन्य लोगों को भी पुलिस द्वारा हिरासत में लिया गया है और उनसे रेणुकास्वामी नामक एक व्यक्ति की कथित हत्या के संबंध में पूछताछ की जा रही है जिसका शव नौ जून को यहां मिला था।

आरोप है कि एक फार्मा कंपनी में काम करने वाले रेणुकास्वामी ने सोशल मीडिया पोस्ट में फिल्म अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा के खिलाफ कुछ अश्लील टिप्पणी की थी। अभिनेत्री दर्शन की दोस्त बतायी जाती है। पुलिस को हत्या की जानकारी तब लगी जब स्थानीय निवासियों ने उसे शव के बारे में सूचना दी। अभिनेता दर्शन के साथ-साथ अभिनेत्री पवित्रा गौड़ा को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। 'करिया', 'क्रांतिवीरा सांगोली रायन्ना', 'कलसीपल्या', 'गज', 'नवग्रह', 'सारथी', 'बुलबुल', 'यजमाना', 'रॉबर्ट' और 'काटेरा' सहित कई सफल फिल्मों में अभिनय कर चुके 47 वर्षीय अभिनेता दर्शन को नौ जून को मैसूरु के एक होटल से हिरासत में लिया गया था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि दर्शन के एक सहयोगी के शेड में कथित हत्या के बाद फार्मेसी कंपनी में काम करने वाले और चित्रदुर्गा जिला मुख्यालय शहर के निवासी

अभिनेता दर्शन

स्वामी के शव को कामाक्षीपाल्या में एक नाले में फेंक दिया गया।

दयानंद ने बताया, अज्ञात व्यक्ति का शव मिलने और उसके शरीर पर चोटों के निशान के आधार पर हत्या का मामला दर्ज किया गया। सीसीटीवी फुटेज और अन्य तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मृतक की पहचान रेणुकास्वामी के रूप में हुई है। उन्होंने कहा हमने कन्नड फिल्म अभिनेता औन उनके सहयोगियों को हिरासत में लिया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। मामले की जांच अभी जारी है, इसलिए मैं और जानकारी साझा नहीं कर सकता।

जब उनसे पूछा गया कि क्या दर्शन को गिरफ्तार किया गया है, तो उन्होंने कहा, उन्हें हिरासत में ले लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। उचित प्रक्रिया के बाद अन्य प्रक्रियाएं अपनाई जाएंगी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और फोरेंसिक रिपोर्ट से पुष्टि हुई कि रेणुकास्वामी की हत्या की गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि आगे की जांच में कुछ संदिग्धों को गिरफ्तार किया गया और पूछताछ में इन्होंने कई राज खोले। इन्हीं के बयान के आधार पर पुलिस ने अभिनेता दर्शन को हिरासत में लिया है। फिलहाल इस बात की जांच की जा रही है कि क्या अभिनेता सीधे तौर पर हत्या में शामिल थे या वह साजिश का हिस्सा थे।

रेणुकास्वामी के माता-पिता उनकी हत्या की खबर सुनकर शोक में हैं। उनके पिता श्रीनिवासैया ने कामाक्षीपाल्या पुलिस थाने में संवाददाताओं से कहा, वह मेरा इकलौता बेटा था। पिछले साल ही उसकी शादी हुई थी। मैंने शनिवार को ही उससे बात की थी। मुझे अपने बेटे के लिए न्याय चाहिए।

कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने भी कहा कि अभिनेता दर्शन को हत्या के मामले में हिरासत में लिया गया है और पूछताछ की जा रही है। उन्होंने कहा कि चित्रदुर्ग के एक व्यक्ति की बेंगलूरु में हत्या हुई है। इस मामले में दर्शन का नाम सामने आया है, जिसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए लाया गया है। जांच जारी रहने तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता। साल 2002 में 'मैजेस्टिक' फिल्म में मुख्य अभिनेता के तौर पर अभिनय क्षेत्र में कदम रखने वाले अभिनेता दर्शन के घर पर पुलिस ने सुरक्षा कड़ी कर दी है।

हेब्बे जलप्रपात में डूबने से हैदराबाद के युवक की मौत

चिकमगलूरु/दक्षिण भारत। कर्नाटक के चिकमगलूरु जिले के केम्मानगुंडी में हेब्बे झरने में डूबने से 25 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। हैदराबाद का रहने वाला श्रवण अपने दोस्तों के साथ घूमने के लिए चिकमगलूरु आया था। दोस्तों के साथ वह बस से चिकमगलूरु पहुंचा और फिर वहां किराये पर बाइक ली। कुछ जगहों पर घूमने के बाद वे लोग सोमवार को हेब्बे जलप्रपात पहुंचे।

पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, मानसून के कारण झरने में इस वक्त पानी पूरे वेग से बह रहा है। यह झरना बहुत गहरा तो नहीं है, लेकिन इसकी चट्टानें फिसलन भरी हैं। श्रवण और उसके दोस्त तैरना नहीं जानते थे, फिर भी उन्होंने पानी में उतरने का फैसला किया। अधिकारी ने बताया कि श्रवण का पैर फिसल गया और वह डूबने लगा। उसके दोस्त किसी तरह पानी से बाहर आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने श्रवण को बचाया। अधिकारी ने बताया, जब उसे बाहर निकाला गया तब वह जीवित था। हेब्बे जलप्रपात घूमने आए कुछ आगंतुकों में एक डॉक्टर था, जिसने उसे होश में लाने की कोशिश की। श्रवण को शीघ्र पास के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

प्रह्लाद जोशी ने केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली/नई दिल्ली। कर्नाटक से भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रहलाद जोशी ने मंगलवार को केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया। इस मौके पर जोशी ने कहा कि उनकी प्राथमिकता सरकार के 100 दिन के एजेंडा को लागू करने तथा खाद्य सुरक्षा प्रणाली को और मजबूत करने की रहेगी। यह मंत्रालय पहले भाजपा के वरिष्ठ नेता पीयूष गोयल के पास था। जोशी के कार्यभार संभालने के समय गोयल भी मौजूद थे।

जोशी ने कार्यभार संभालने के बाद पत्रकारों से कहा, मैंने आज खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय का कार्यभार संभाल लिया है। मैं प्रधानमंत्री का आभारी हूं जिन्होंने मुझे आम आदमी से जुड़े इस महत्वपूर्ण विभाग की जिम्मेदारी दी है जहां हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराते हैं।'' जोशी ने कहा कि मंत्रालय को दुनिया की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजना को लागू करने का दायित्व सौंपा गया है।

उनकी प्राथमिकता 100 दिवसीय कार्यक्रम को लागू करने की है, जिसको उनके पूर्ववर्ती पहले ही आकार दे चुके हैं।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत खाद्यान्नों की खरीद तथा वितरण के लिए प्रणाली पहले से ही मौजूद है और उनका प्रयास इसे मजबूत बनाने का होगा। जोशी को नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री का प्रभार भी सौंपा गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी नीत पिछली सरकार में उनके पास कोयला, खान और संसदीय मामलों के विभागों का कार्यभार था।

संपत्ति कर के लिए एकमुश्त निपटान 31 जुलाई तक : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए 'एकमुश्त निपटान' खिड़की केवल 31 जुलाई तक खुली है। विधान सौधा में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, चुनावों के कारण बीबीएमपी ने बकाया संपत्ति कर के भुगतान के लिए सक्रिय रूप से प्रयास नहीं किया था। वन टाइम सेटलमेंट (ओटीएस) योजना 31 जुलाई को समाप्त हो जाएगी और इसलिए मैं लोगों से आग्रह करता हूं कि वे बकाया भुगतान को निपटाने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। ओटीएस योजना में जुर्माने पर 50 प्रतिशत और ब्याज भुगतान पर 100 प्रतिशत छूट प्रदान की गई है। बीबीएमपी में बीस लाख संपत्तियां कर दायरे में हैं, लेकिन कई अभी भी कर दायरे से बाहर हैं।

अगर कर दायरे से बाहर के लोग 90 दिनों के भीतर कर का भुगतान कर देते हैं और सबूत पेश करते हैं, तो हम उन्हें संपत्ति कर खाता प्रदान करेंगे। 50,000 से अधिक लोगों ने ओटीएस योजना के तहत कर का भुगतान किया है और अन्य 4 लाख लोगों को अभी भी भुगतान करना है। उन्हें 1 अगस्त से डिफॉल्टर माना जाएगा।

तीन महीने में संपत्तियों का डिजिटलीकरण

उन्होंने कहा, 20 लाख संपत्तियों के डिजिटलीकरण की प्रक्रिया जारी है। करीब 8 लाख संपत्तियों का डिजिटलीकरण पूरा हो चुका है और बाकी का काम 3 महीने में पूरा हो जाएगा। प्रक्रिया पूरी होने के बाद डिजिटल रिकॉर्ड संपत्ति मालिकों को भेज दिए जाएंगे।

सब्जी बाजार में और फर्नीचर की एक दुकान में आग लगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। मंगलूरु के पास थोक्कुट्टू में एक सब्जी बाजार में और उडुप्पी जिले में फर्नीचर की एक दुकान में आग लग गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि फर्नीचर की दुकान जल कर खाक हो गई।

दमकल विभाग के अनुसार, दक्षिण कन्नड़ जिले के कल्लपू गांव में सब्जी और फल बाजार में सोमवार तड़के आग लग गई। दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पा लिया।

क्षेत्रीय अग्निशमन अधिकारी सीआर रंगनाथ के अनुसार, आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है, लेकिन बिजली के शॉर्ट सर्किट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। दूसरी घटना में, उडुप्पी जिले के कुंदापुर तालुक के त्रासी कस्बे में एक फर्नीचर और इलेक्ट्रॉनिक्स की दुकान में रविवार देर शाम आग लग गई। आग लगने से दुकान पूरी तरह जल गई।

बेंगलूरु में पार्क सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक खुले रहेंगे : डीके शिवकुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पार्क अब सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक खुले रहेंगे। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो बेंगलूरु विकास के प्रभारी भी हैं, ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि कुछ लोगों ने शिकायत की थी कि दोपहर के समय पार्क बंद कर दिए जाते हैं और वे चाहते हैं कि पार्क बिना किसी अवकाश के खुले रहें।

शिवकुमार ने यहां संवाददाताओं से कहा कि अभी यह सुबह 5 बजे से सुबह 10 बजे तक और फिर दोपहर 1:30 बजे से रात 8 बजे तक है। इसलिए अब हमने फैसला किया है कि बेंगलूरु शहर के सभी पार्क सुबह 5 बजे से रात 10 बजे तक खुले रहेंगे। नागरिकों के फायदे के लिए, हम इसे बढ़ा रहे हैं।

पार्कों का 'अवैध या अवांछित' गतिविधियों के लिए इस्तेमाल किए जाने की चिंता का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उनके प्रवेश और निकास द्वारों पर कैमरे लगाए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि बेंगलूरु में 1,200 से ज्यादा सार्वजनिक पार्क हैं, जो संभवतः देश में सबसे ज्यादा है। उन्होंने कहा कि नई समय-सारिणी विशेष रूप से उन पार्कों पर लागू होगी, जो बीबीएमपी के अधिकार क्षेत्र में आते हैं।

बेंगलूरु के लिए जलवायु कार्रवाई और लचीलापन योजना (बीसीएपी) को संबोधित करते हुए शिवकुमार ने कहा कि 'हसिरू रक्षक' परियोजना के तहत बीबीएमपी के सभी क्षेत्रों में पौधरोपण कार्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा हो गया है।

समीक्षा बैठक

बेंगलूरु में मंगलवार को विकाससौधा में चिकित्सा शिक्षा, कौशल विकास एवं आजीविका मंत्री डॉ. शरण प्रकाश पाटिल ने चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। विभाग के सचिव मोहम्मद मोशिन, निदेशक डॉ. सुजाता राठौड़, कर्नाटक परीक्षा प्राधिकरण ईडीएच प्रसन्ना और अन्य उपस्थित थे।

केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट ने सेबी के साथ म्यूचुअल फंड नियम उल्लंघन मामले का निपटान किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड ने मंगलवार को सेबी के साथ म्यूचुअल फंड मानदंडों के कथित उल्लंघन से संबंधित एक मामले को निपटाया। इसके लिए बाजार नियामक को निपटान शुल्क के रूप में 84.82 लाख रुपये का भुगतान किया गया। यह मामला अप्रैल, 2020-मार्च, 2021 के लिए म्यूचुअल फंड की ऑफसाइट सह निगरानी से संबंधित था। परिसंपत्ति प्रबंधन कंपनी ने सेबी के समक्ष एक आवेदन कर कथित नियामकीय उल्लंघनों के लिए उसके खिलाफ शुरू की गई कार्यवाही को तथ्यों के निष्कर्षों को स्वीकार या अस्वीकार किए ''बिना'' निपटाने की पेशकश की थी। केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट कंपनी ने निपटान राशि के रूप में सेबी को 84.82 लाख रुपये का भुगतान किया है।

कुमारस्वामी बताएं कि क्या विजाग और सेलम इस्पात संयंत्रों का निजीकरण होगा? : कांग्रेस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय इस्पात मंत्री एच डी कुमारस्वामी को स्पष्ट करना चाहिए कि विजाग इस्पात संयंत्र और सेलम इस्पात संयंत्र का निजीकरण किया जाएगा या नहीं।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, एक-तिहाई प्रधानमंत्री के पिछले प्रशासन ने राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड, जिसे आमतौर पर विजाग स्टील प्लांट के रूप में जाना जाता है, को प्रधानमंत्री के दोस्तों को बेचने का प्रस्ताव दिया है। एक लाख से अधिक व्यक्ति अपनी आजीविका के लिए विजाग इस्पात संयंत्र पर निर्भर हैं।

उन्होंने सवाल किया कि क्या कुमारस्वामी लिखित प्रतिबद्धता देंगे कि वे विजाग इस्पात संयंत्र को एक-तिहाई प्रधानमंत्री के उद्योगपति मित्रों को नहीं बेचेंगे? रमेश ने दावा किया, 2019 में एक-तिहाई प्रधानमंत्री के पिछले प्रशासन ने सेलम इस्पात संयंत्र में विनिवेश करने का फैसला किया था। इस विशेष इस्पात इकाई के निजीकरण का विरोध करने के लिए जल्द ही लगभग 2000 लोगों की एक विशाल रैली सड़कों पर उतर आई। श्रमिकों ने आरोप लगाया कि संयंत्र को जानबूझकर कुप्रबंधित किया जा रहा है। केंद्र अब तक संयंत्र को बेचने में असमर्थ रहा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या कुमारस्वामी इस संयंत्र के निजीकरण को आगे बढ़ाएंगे?

कुमारस्वामी ने भारी उद्योग मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। जद (एस) नेता और कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एच डी कुमारस्वामी ने मंगलवार को केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। 64 वर्षीय कुमारस्वामी को इस्पात मंत्रालय का प्रभार भी दिया गया है।

कुमारस्वामी ने कार्यभार संभालने के बाद संवाददाताओं से कहा, आज मैंने भारी उद्योग मंत्री के रूप में कार्यभार संभाला। मैं यह नहीं कहना चाहता कि मैं सब कुछ करूंगा। मुझे कुछ और समय चाहिए। मुझे समस्याओं और उन्हें हल करने के तरीकों के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों से सारी जानकारी लेनी है। इसके लिए मुझे दो से तीन दिन चाहिए। केंद्रीय मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद कुमारस्वामी ने मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारियों और सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों (पीएसयू) के प्रमुखों से मुलाकात की।

उन्होंने अपने कार्यालय में पूजा की। इस मौके पर उनकी पत्नी अनीता कुमारस्वामी, पुत्र निखिल और पुत्रवधु उपस्थित थे। बाद में विभाग के अधिकारियों के साथ उन्होंने बैठक की।

कुमारस्वामी के पिता और पूर्व प्रधानमंत्री एच डी देवेगौड़ा की अध्यक्षता वाली जद (एस) पिछले साल राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल हुई थी। भाजपा और जद (एस) ने कर्नाटक में एक साथ लोकसभा चुनाव लड़ा था।

विक्रावांडी उपचुनाव में एआईएडीएमके का अकेले मैदान में उतरना फायदेमंद नहीं, डीएमके को होगा लाभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में 10 जुलाई को होने वाले विक्रावांडी विधानसभा उपचुनाव में विपक्षी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (एआईएडीएमके) अपनी मजबूत उपस्थिति के कारण कड़ी चुनौती पेश कर सकती है। हालांकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी पट्टाली मक्कल काची (पीएमके) और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) की भरोसेमंद सहयोगी विदुथलाई चिरूथईगल काची (वीसीके), एआईएडीएमके की जीत की संभावनाओं को बिगाड़ सकती है। डीएमके के साथ गठबंधन करने वाली वामपंथी पार्टियों की भी इस निर्वाचन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपस्थिति है। एआईएडीएमके का चुनावी मैदान में अकेले रहना फायदेमंद नहीं दिख रहा है।

यह देखना बाकी है कि क्या एआईएडीएमके पार्टी डीएमके से मुकाबला करने की घोषणा करेगी या 2026 के विधानसभा चुनावों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए इससे दूर रहना पसंद करेगी। उपचुनाव का फैसला आमतौर पर सत्तारूढ़ दल के पक्ष में रहता है और डीएमके को इस सीट पर आसान जीत मिलने की संभावना है। पड़ोसी विल्लुपुरम जिले की विक्रावांडी विधानसभा सीट दक्षिण के पांच राज्यों में एकमात्र निर्वाचन क्षेत्र है जहां दस जुलाई को मतदान होगा।

इस साल अप्रैल में डीएमके विधायक एन पुगाझेंथी की मृत्यु के बाद इस सीट पर उपचुनाव कराया जा रहा है। उन्होंने 2021 के चुनावों में इस सीट से एआईएडीएमके के आर मुथमिलसेल्वन को हराकर जीत हासिल की। कांग्रेस के एक सूत्र के अनुसार, पार्टी इस सीट पर दावा नहीं करेगी क्योंकि यह सीट डीएमके ने जीती है। उन्होंने कहा, इसलिए स्वाभाविक रूप से डीएमके को यहां से चुनाव लड़ना चाहिए, ठीक उसी तरह से जैसे लोकसभा चुनाव के साथ हुए विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस ने विलावलनकोड सीट पर जीत दर्ज की। पीएमके द्वारा अपनी सहयोगी भाजपा को यह सीट देने की संभावना नहीं है, क्योंकि वन्नियार बहुल इस पार्टी की इस जिले में मजबूत उपस्थिति है। इस बीच तमिल राष्ट्रवादी पार्टी (एनटीके) ने उपचुनाव लड़ने की घोषणा की है।

नाबालिगों ने घर से ही चुराए सोने के आभूषण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। परपन्न अग्रहारा पुलिस थाना क्षेत्र में पुलिस ने तीन नाबालिगों को गिरफ्तार कर घर सें चोरी किए गए 25 लाख रुपए के गहने बरामद किए हैं। पुलिस आयुक्त बी. दयानंद ने बताया कि यह तीनों दोस्त हैं इसमें एक बालिका भी है। यह तीनों ने मिलकर अपने अपने घरों में रखे सोने के आभूषण आदि की चोरी की और उन्हें बेचने के लिए बाजार में गए और कहा कि उनके पास फीस भरने के पैसे नहीं है तो मम्मी ने इन्हें बेचकर पैसे लाने को भेजा है। बाद में संदेह के आधार पर पूछताछ में इनकी गिरफ्तारी हुई। इन तीनों ने पहले भी घर की दादी का डिबिट कार्ड आदि से भी पैसे निकाल चुके हैं। वहीं संवाददाता सम्मेलन में पुलिस आयुक्त दयानंद ने बताया कि अवैध कानूनी गतिविधियों में 4 विदेशियों सहित 40 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त ने बताया कि कानून के मुताबिक किसी भी विदेशी को अगर होटल में रूम या घर किराए पर लेना है तो उसकी सारी जानकारी एफआरआर कार्यालय में ऑनलाइन भरना होता है। जो होटल के मालिक और मकानों के मालिक भरते नहीं हैं और विदेशी अवैध गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं। उन्होंने बताया कि बेंगलूरु में ज्यादातर विदेश से आने वाले बानसवाड़ी, रामूर्तिनगर, केआरपुरम्, सोलदेवनहल्ली, बागलकुंटे, काडगुडी, बेगुरु, बोम्मनहल्ली, परप्पन अग्रहारा, विद्यारण्य पुरा और चिक्कजाला क्षेत्र में मकान किराए पर लेकर या यहां प्रतिमाह के हिसाब से होटल में रहते हैं। ऐसे में मकान मालिक और होटल मालिक को इसकी जानकारी 24 घंटे के अंदर एफआरआर कार्यालय में देना जरूरी होता है और उन्हें इसकी जानकारी देना चाहिए। अनेक मालिकों ने इसकी जानकारी एफआरआर कार्यालय में दी नहीं है। उन्होंने बताया कि अब ऐसे मालिकों पर पुलिस कार्रवाई करेगी।

वहीं कोरमंगला में पुलिस ने छापामारकर एक गेमिंग कम्पनी में पोकर खेलते हुए 13 लोगों को गिरफ्तार किया। उन्होंने बताया कि यहां ऑनलाइन गेमिंग चल रही थी।

राजस्थान से केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल चारों सांसदों ने केंद्रीय मंत्रालयों में किया पदभार ग्रहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। 18वीं लोकसभा के गठन के बाद नई दिल्ली में मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल मंत्रियों ने अपने-अपने मंत्रालयों में पदभार ग्रहण किये। केंद्रीय मंत्रिमंडल में शामिल राजस्थान के चारों सांसदों ने भी संबंधित मंत्रालयों में पदभार ग्रहण किया। जोधपुर से नवनिर्वाचित सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत ने आज केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण करने के बाद उन्होंने कहा कि देश में संस्कृति के क्षेत्र में पिछले दस वर्ष अभूतपूर्व रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन अनुसार नए सोपान तय करने के लिए हमारी टीम शानदार काम करती रहेगी।

केन्द्रीय मंत्री शेखावत ने आज ही केंद्रीय पर्यटन मंत्रालय का पदभार भी ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि दोनों ही विभागों के समन्वय की विकसित भारत के निर्माण में महती भूमिका है। उन्होंने कहा कि मेरी प्राथमिकता रहेगी कि इन क्षेत्रों के विकास का समाज के हर वर्ग को लाभ मिले और इनके माध्यम से अंतिम कतार के नागरिक को भी प्रधानमंत्री मोदी के विजन से जुड़ाव महसूस हो।

अलवर से नवनिर्वाचित सांसद भूपेंद्र यादव ने भी आज केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं कि मुझे फिर से इस मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। इस मंत्रालय द्वारा कई अहम कदम प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लिए गए हैं और हम पर्यावरण व विकास को साथ लेकर आगे बढ़ रहे है। उन्होंने कहा कि देश में जो ग्रीन इकोनॉमी है, उसे आगे बढ़ाने का काम हो रहा है, इसके साथ ही हम कई महत्वपूर्ण काम आगे भी करेंगे। बीकानेर से नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन राम मेघवाल ने भी आज नई दिल्ली में विधि एवं न्याय मंत्रालय में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा के लिए कृत संकल्पित हूँ। राजस्थान के अजमेर लोकसभा क्षेत्र से नवनिर्वाचित सांसद भागीरथ चौधरी ने भी केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व एवं शिवराज सिंह चौहान के मार्गदर्शन में ''विकसित भारत के संकल्प'' को साकार करने की दिशा में किसान कल्याण हेतु समर्पण और प्रतिबद्धता के साथ जनसेवा के लिए कृत संकल्पित हूँ। चौधरी ने कहा कि हम सब मिलकर किसानों के उत्थान और विकास के लिए हर संभव कार्य करेंगे।

दमन व प्रतिशोध की राजनीति नहीं चलेगी : पायलट

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने मंगलवार को कहा कि आम चुनाव के जरिए देश की जनता ने संदेश दिया है कि दमन, प्रतिशोध व भेदभाव की राजनीति नहीं चलेगी। पायलट ने कहा कि आम चुनाव के परिणाम से खंडित जनादेश आया है। वे दौसा में मीडिया से बात कर रहे थे।

लोकसभा चुनाव के परिणामों के बारे में उन्होंने कहा, राजस्थान में जो परिणाम आए है उसके लिए मैं प्रदेश की जनता को बहुत बहुत धन्यवाद देना चाहता हूं। ये अप्रत्याशित रहे। हमने भारतीय जनता पार्टी को 11 सीटों पर पराजित किया है। जो सरकार डबल इंजन की थी- चाहे वह उत्तर प्रदेश की हो, हरियाणा की हो, राजस्थान की हो... यहां पर जनता किसान, नौजवान ने एक स्पष्ट संदेश दिया है।

उन्होंने कहा कि केंद्र में गठजोड़ की सरकार बनी है। किसी भी दल को सरकार बनाने का जनादेश नहीं मिला। एक खंडित जनादेश आया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा, जो राजनीतिक संदेश इन चुनाव के परिणाम से आया है, वह यह है कि दमन की, प्रतिशोध की, आक्रमण की, भेदभाव की राजनीति नहीं चलेगी। संसद में जिस प्रकार 147 सांसदों को एक दिन में निलंबित कर दिया था, मैं समझता हूं कि इस प्रकार की कार्रवाई को लोगों ने पसंद नहीं किया।उन्होंने कहा कि विपक्ष की एकता के बीच चुनाव परिणाम के जरिए जनता ने एक संदेश दिया है कि आने वाले समय में सबको मिलकर काम करने की जरूरत है। केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन की नई सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा,सरकार का गठन कल परसों हुआ है लेकिन अभी से कई दलों में आशंकाएं पैदा हो गई हैं। कोई शपथ लेने से मना कर रहा है। खींचतान शुरू हो गई है। लेकिन समय बताएगा कि सरकार कितना कामयाब रहती है। लोकसभा चुनाव में 'इंडिया' गठबंधन ने राज्य की 25 में से 11 लोकसभा सीटें जीती हैं।

जम्मू-कश्मीर में बस पर आतंकी हमले में जान गंवाने वालों के शव जयपुर लाए गए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जम्मू-कश्मीर में आतंकवादी हमले में मारे गए दो साल के बच्चे समेत चार लोगों के शव मंगलवार को ट्रेन से जयपुर लाए गए। इन शवों को पूजा एक्सप्रेस से यहां लाया गया और परिजन उन्हें हरमाड़ा और चौमूं ले गए। रविवार शाम को हुए इस हमले में राजेंद्र सैनी (42), उनकी पत्नी ममता (40), उनकी रिश्तेदार पूजा सैनी (30) और उसके दो साल के बेटे टीटू की मौत हो गई थी। घटना में पूजा का पति पवन घायल हो गया।

राजेंद्र और ममता चौमूं के रहने वाले थे जबकि पूजा चौमू रोड पर हरमाड़ा इलाके में अजमेरा की ढाणी की रहने वाली थी। इस बीच, स्थानीय लोगों ने आज चौमूं पुलिस थाने के बाहर धरना दिया और राजेंद्र और ममता के परिवार में से किसी एक को सरकारी नौकरी और मुआवजा देने की मांग की। राजेंद्र के दो बेटे व एक बेटी है। वह चौमूं में रेडीमेड कपड़े की दुकान चलाता था और घर का इकलौता कमाने वाला सदस्य था।

चौमू में धरना-प्रदर्शन

जम्मू के रियासी में श्रद्धालुओं की बस पर हुए आंतकवादी हमले में राजस्थान के मारे गये चार लोगों के शव आज सुबह जयपुर पहुंचे वहीं हमले के विरोध एवं मृतकों के परिजनों को मुआवजा एवं आश्रितों को स्थाई नौकरी की मांग को लेकर जयपुर के मुरलीपुरा एवं चौमूं में धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। शव जयपुर पहुंचने के बाद मृतक राजेन्द्र एवं ममता के शव चौमूं पहुंचने से पहले सुबह करीब दस बजे से परिजनों एवं ग्रामीणों ने पांच्यावाली ढाणी में धरना शुरु कर दिया और लोग आक्रोशित हो गए और वे सड़कों पर उतर आए। प्रदर्शनकारी मुआवजा एवं स्थाई नौकरी की मांग कर रहे है और इनसे बातचीत के लिए प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी मौके पहुंचे और इनसे वार्ता की है। धरना दे रहे एवं मृतक के एक परिजन ने मीडिया को बताया कि प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारियों के साथ वार्ता हुई हैं और 50 लाख रुपए का मुआवजा एवं संविदा पर नौकरी की बात की गई हैं लेकिन इस पर सहमति नहीं बन पाई हैं। उन्होंने बताया कि संविदा पर नौकरी मंजूर नहीं हैं उन्हें स्थाई नौकरी चाहिए।

पुलिस के अनुसार चौमूं एवं मुरलीपुरा में दोनों जगह प्रदर्शनकारियों ने रास्ते को रोकने का प्रयास किया गया लेकिन उन्हें खदेड़ दिया गया और स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में हैं। धरनास्थल पर वार्ता की जा रही है और शीघ्र ही मामला सुलझा लिया जायेगा। प्रदर्शन के दौरान कुछ लोगों की तेज गर्मी के कारण तबीयत भी बिगड़ी जिन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा।

अजमेर में पायलट की पुण्यतिथि पर पुष्पांजलि अर्पित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर। किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व.राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर मंगलवार को यहां अजमेर देहात एवं शहर कांग्रेस ने अलग-अलग आयोजन कर प्रेरणा दिवस के रूप में मनाई। शहर में बाबू मौहल्ला स्थित कांग्रेस कार्यालय पर शहर अध्यक्ष विजय जैन की अगुवाई में पुष्पांजलि कार्यक्रम हुआ। इस मौके कांग्रेस पदाधिकारियों ने स्व. पायलट के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस मौके पर जैन ने कहा कि स्व. पायलट जन-जन के नेता थे। वह किसानों के मसीहा के रूप में देश भर में अपनी पहचान रखते थे। उन्होंने संचार क्रांति के जरिये देश को नई ऊंचाइयां दी। वह युवा हृदय सम्राट भी थे। देश की राजनीति के साथ-साथ राष्ट्रवाद उनमें कूट-कूट कर भरा था।

अजमेर देहात कांग्रेस के निवर्तमान उपाध्यक्ष हरिसिंह गुर्जर के नेतृत्व में भी ब्यावर रोड स्थित उबड़ा का देवड़ा मंदिर परिसर में स्व. पायलट को पुष्पांजलि अर्पित की गई।

गुर्जर ने कहा कि स्व. पायलट देश के सच्चे सपूत थे। राजनीति में उनकी गहरी पकड़ थी। स्व. पायलट की राजनैतिक विरासत को उनके पुत्र राज्य के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं।

सरिस्का में बाघिन एसटी-17 तीन शावकों के साथ दिखाई दी

अलवर। राजस्थान में विश्व विख्यात सरिस्का टाइगर रिजर्व में बाघिन एसटी-17 को मंगलवार को तीन शावकों के साथ कैमरे में कैद किया गया। सरिस्का अभयारण्य के सूत्रों के अनुसार इसके साथ ही सरिस्का में बाघों की कुल आबादी अब 43 हो गई है, जिसमें 11 नर, 14 मादा और 18 शावक शामिल हैं, जिनमें से 13 का जन्म पिछले चार महीनों में हुआ है। सबसे बड़ी बात ये है कि गत दिनों जितने भी शावक कैमरा ट्रैप में दिखाई दिए वह सभी वाटर होल के पास के ही हैं। गत 29 और 30 मई को पहली बार दो दिनों में सात नए शावक दिखाई दिए थे। इधर इनकी संख्या बढ़ने पर राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि सरिस्का के लिए अच्छी खबर है। जहां छह माह में सरिस्का में 13 शावक मिल गए हैं अब इनकी संख्या 43 हो गई है।

कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण पर कार्य करे : मिश्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बीकानेर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि भारतीय कृषि और किसानों की समृद्धि के लिये विश्वविद्यालय, कृषि प्रबंधन के साथ विपणन, भंडारण, खाद्य प्रसंस्करण जैसे विषयों पर भी शोध और नवाचारों से जुड़े कार्य करें। मिश्र मंगलवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के बीसवें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुये कहा कि सूचना और संचार प्रौद्योगिकी के युग में विश्वविद्यालयों द्वारा कृषि शिक्षा, शोध और प्रसार में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करते हुये किसानों को कृषि तकनीकों और नवाचारों की जानकारी दी जाये।

उन्होंने राजस्थान की भौगोलिक विषमता और अनियंत्रित जलवायु के मद्देनजर सूखा प्रबंधन की दिशा में भी डिजिटल प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किसानों के लिये किये जाने पर जोर देते हुये कृषि शिक्षा के तहत जैविक उत्पादों की खोज और उत्पादन वृद्धि में वैज्ञानिक अनुसंधानों के व्यावहारिक प्रयास बढ़ाने की भी आवश्यकता जताई।

मिश्र ने कहा कि जल संसाधनों की सुरक्षा, संरक्षण और संवर्धन विषय पर नए सिरे से शोध और अनुसंधान किये जायें। उन्होंने परंपरागत खेती के साथ खेती की नयी तकनीकों को प्रोत्साहित करने के दिशा में विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की गयी चने की मूमल किस्म, जीएनजी 1581 गणगौर और मोठ की वेरायटी किस्म के लिए विश्वविद्यालय को बधाई दी। साथ ही खजूर अनुसंधान के क्षेत्र में 34 नई किस्मों सहित 54 प्रकार की किस्में विकसित करने, विश्वविद्यालय की मरूशक्ति इकाई द्वारा तैयार बाजरा बिस्कुट की सामग्री पर पेटेंट और इंगलैंड द्वारा फसल अवशेष प्रबंधन मशीन पर प्राप्त पंजीकरण के विश्वविद्यालय के प्रयासों को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवा शक्ति देश के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य करें। शिक्षक युवा पीढ़ी को संस्कारवान बनाएं। शिक्षक न केवल ज्ञान का स्रोत हैं, बल्कि युवा पीढ़ी को नैतिक, संस्कारवान, संवेदनशील और समर्पित नागरिक बनाने में भी उनकी अहम भूमिका है। उन्होंने समसामयिक विषयों पर विद्यार्थियों की समझ बढ़ाने के प्रति शिक्षक अपना उत्तरदायित्व निभाने का आह्वान किया। मिश्र ने कहा कि नयी शिक्षा नीति में मौलिक शोध और अनुसंधान पर विशेष ध्यान दिया गया है।

इसी के अनुरूप इनोवेशन सेंटर, इनक्यूबेशन सेंटर, नवीन स्टार्टअप के लिए विद्यार्थी तैयार करें। समारोह में दीक्षांत उद्बोधन में पद्म भूषण प्रो. राम बदन सिंह ने देश की बढ़ती आबादी को भोजन उपलब्ध कराने के लिये मानव और प्राकृतिक संसाधनों का विवेकपूर्ण इस्तेमाल किये जाने पर जोर दिया। पूर्व कुलपति प्रो. बी. आर. छींपा ने जलवायु अनुकूल तकनीकों का विकास करने, जैविक और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने और पर्यावरण सुरक्षा के लिए कार्य करने की आवश्यकता जतायी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने विश्वविद्यालय का प्रगति प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की। समारोह में 19 विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक और तीन विद्यार्थियों को कुलाधिपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।

प्रदेशवासियों को मिले निर्बाध विद्युत आपूर्ति : मुख्यमंत्री भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रदेश में विद्युत तंत्र के सुदृढ़ीकरण के लिए विभिन्न विद्युत निगमों एवं केन्द्रीय उपक्रमों के साथ हुए एमओयू को समयबद्ध पूरा करें जिससे आमजन को सुचारू रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इन प्रोजेक्ट्स की निरंतर मॉनिटरिंग की जाए। साथ ही, विभागीय योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो जिससे आमजन, किसान तथा उद्यमी योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें।

शर्मा मंगलवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में ऊर्जा विभाग की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक स्थिति के दृष्टिगत कुछ माह राज्य में विद्युत की मांग उपलब्धता से कहीं अधिक रहती है लेकिन अब राज्य सरकार द्वारा ऊर्जा क्षेत्र में हाल ही में किए गए एमओयू के क्रियान्वयन से राजस्थान की विद्युत मांग की भी पूर्ति होगी तथा राज्य विद्युत उत्पादन में सरप्लस की श्रेणी में आ जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केन्द्रीय उपक्रमों से समन्वय स्थापित कर इन एमओयू का क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि आगामी रबी फसल के सीजन को देखते हुए विभाग अपनी तैयारियां पूरी रखें जिससे किसानों को सिंचाई हेतु सुचारू विद्युत आपूर्ति मिल सके। शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इस योजना के तहत किसानों को सोलर पंप लगाने में वित्तीय सहयोग के लिए जिला कलक्टर बैंकों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करें जिससे इस प्रक्रिया में किसानों के लिए वित्तीय बाधा को दूर किया जा सके। उल्लेखनीय है कि पीएम-कुसुम कंपोनेंट 'बी' के तहत 70 हजार से अधिक किसानों को योजना का लाभ मिल चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिकारियों को आगामी 10 वर्ष की मांग को ध्यान में रखकर कार्ययोजना बनानी चाहिए जिससे भविष्य की मांग को वर्तमान के प्रोजेक्ट्स में शामिल किया जा सके। उन्होंने अधिकारियों को सरकारी कार्यालयों में रूफटॉप पर सोलर प्लांट के इंस्टालेशन के लिए भी आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

पुलिसकर्मियों एवं आमजन का किया गया सम्मान

जयपुर/दक्षिण भारत। राजस्थान पुलिस के 75वें स्थापना दिवस के मौके पर रिजर्व पुलिस लाइन, जयपुर ग्रामीण में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज अनिल कुमार टांक ने इस मौके पर पुलिस परेड की सलामी ली। इस मौके पर पुलिस बैंड की मधुर स्वर ध्वनियों से सभी अतिथियों का मनमोह लिया। समारोह में पुलिस महानिरीक्षक, जयपुर रेंज अनिल कुमार टांक ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. हरिप्रसाद सोमानी को डीजीपी डिस्क तो वहीं, कांस्टेबल हरीश कुमार शर्मा एवं जीवाराम को सर्वोत्तम सेवा चिन्ह से सम्मानित किया। इस मौके पर पुलिस महानिरीक्षक ने आमजन शुभम झालानी, सुरेश चंद, आर.सी. यादव, मदनलाल, मुन्ना खान, शाहरुख खान, नजमू कुरैशी, सुनील असवाल को भी जीवन रक्षा एवं सड़क दुर्घटना में उनके साहसिक कार्य के लिए सम्मान से नवाजा। स्थापना दिवस समारोह के अंतर्गत रक्तदान शिविर एवं पुलिस प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में पुलिस अधिकारियों एवं पुलिसकर्मियों ने बढ़चढ़ कर रक्तदान किया।

गत कई महीनों से नहीं मिल रहा है बेरोजगारी भत्ता : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा से युवाओं को बेरोजगारी भत्ता पुन: शुरु करने का आग्रह किया हैं।

गहलोत ने मंगलवार को सोशल मीडिया के माध्यम से यह मांग करते हुए कहा राजस्थान में हमारी सरकार के दौरान युवाओं को 4500 रुपए महीने तक का बेरोजगारी भत्ता देना शुरू किया गया था जो उनके लिए बड़ा संबल होता है। मुझे बहुत सारे युवाओं ने बताया है कि बीते कई महीनों से उन्हें बेरोजगारी भत्ता नहीं मिल रहा है जिससे उन्हें अपनी पढ़ाई जारी रखने में परेशानी आ रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने चुनाव में गारंटी दी थी कि भाजपा सरकार आने पर हमारी किसी योजना को बंद नहीं किया जाएगा बल्कि और मजबूत किया जाएगा। अब राजस्थान के युवाओं ने इस गांरटी पर भरोसा कर भाजपा को वोट तो दे दिया पर अब उन्हें नौकरी या बेरोजगारी भत्ता नहीं केवल अफसोस मिल रहा है। उन्होंने कहा मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहूंगा कि युवाओं का बेरोजगारी भत्ता जल्द से जल्द पुन: शुरू करें जिससे युवाओं को राहत मिल सके।

राजस्थान को विकसित राज्य बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध : भाले

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान वर्ष 2047 तक देश में अग्रणी राज्य बने इसके लिए राज्य सरकार द्वारा विकसित राजस्थान- 2047 दस्तावेज तैयार किया जा रहा है। इसी कडी में पशुपालन विभाग द्वारा मंगलवार को पशुधन भवन में प्रमुख शासन सचिव, पशुपालन विभाग विकास सीताराम भाले की अध्यक्षता में पशुपालन विभाग के दस्तावेज को अंतिम रूप देने के उद्देश्य से बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पशुपालन विभाग से जुड़े राज्य स्तरीय अधिकारियों ने भाग लिया।

प्रमुख शासन सचिव, भाले ने कहा कि पशुपालन विकास राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र मे आता है इसलिए राज्य में पशुपालन के विकास के लिए प्रारूप तैयार करना और पशुपालन क्षेत्र की प्रगति को सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है। इसी उद्देश्य के साथ विकसित राजस्थान के प्रारूप को तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य पशुपालक की आय वृद्धि तथा किसानों की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में सुधार के साथ साथ पशुओं के जीवन की गुणवत्ता को बढ़ाना भी है।

भाले ने कहा कि आज राजस्थान देश भर में दूध और ऊन के उत्पादन में पहले स्थान पर जबकि पशुओं की संख्या के आधार पर दूसरे स्थान पर है। लेकिन अभी हमारे सामने कई चुनौतियां भी हैं। पशुपालन क्षेत्र अब नई चुनौतियों का सामना कर रहा है। नई नई किस्म की बीमारियां, चारे की कमी, पशुपालन की नई तकनीक तक पशुपालकों की पहुंच, पशुपालन को उद्योग का दर्जा दिलाना कुछ ऐसी ही चुनौतियां हैं जिन पर गंभीरता से काम किया जाना है। उन्हीं चुनौतियों को देखते हुए विकसित राजस्थान के दस्तावेज का रोड मैप तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि हर जिले में पशु विज्ञान केंद्र खोलने का भी प्रयास किया जाएगा।

चुनाव परिणाम अति आत्मविश्वासी भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं का सच से सामना कराने वाले हैं : आर्गेनाइजर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से जुड़ी एक पत्रिका ने कहा है कि लोकसभा चुनाव के नतीजे भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 'अति आत्मविश्वासी' कार्यकर्ताओं और कई नेताओं का सच से सामना कराने वाले हैं।

पत्रिका के मुताबिक, नेता और कार्यकर्ता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभामंडल के आनंद में डूबे रह गए और उन्होंने आम जन की आवाज को अनदेखा कर दिया। 'आर्गेनाइजर' पत्रिका के ताजा अंक में छपे एक लेख में यह भी कहा गया कि आरएसएस भाजपा की 'जमीनी ताकत' भले ही न हो लेकिन पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने चुनावी कार्य में सहयोग मांगने के लिए स्वयंसेवकों से संपर्क तक नहीं किया।

इसमें कहा गया है कि चुनाव परिणामों में उन पुराने समर्पित कार्यकर्ताओं की उपेक्षा भी स्पष्ट है, जिन्होंने बगैर किसी लालसा के काम किया। इनके स्थान पर सोशल मीडिया तथा सेल्फी संस्कृति से सामने आए कार्यकर्ताओं को महत्व दिया गया।

आरएसएस के आजीवन सदस्य रतन शारदा ने लेख में उल्लेख किया, ''2024 के आम चुनाव के परिणाम अति आत्मविश्वास से भरे भाजपा कार्यकर्ताओं और कई नेताओं के लिए सच्चाई का सामना कराने वाले हैं। उन्हें इस बात का एहसास नहीं था कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का 400 से अधिक सीटों का आह्वान उनके लिए एक लक्ष्य था और विपक्ष के लिए एक चुनौती।''

भाजपा लोकसभा चुनाव में 240 सीटों के साथ बहुमत से दूर रह गई है। लेकिन उसके नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को 293 सीटें मिली हैं। कांग्रेस को 99 सीटें जबकि 'इंडिया' गठबंधन को 234 सीटें मिलीं। चुनाव के बाद, जीतने वाले दो निर्दलीय उम्मीदवारों ने भी कांग्रेस को समर्थन देने का वादा किया है। इससे 'इंडिया' गठबंधन के सांसदों की संख्या 236 हो गई है।

शारदा ने कहा कि सोशल मीडिया पर पोस्टर और सेल्फी साझा करने से नहीं, बल्कि मैदान पर कड़ी मेहनत से लक्ष्य हासिल किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''चूंकि वे अपने आप में मगन थे, मोदीजी के आभामंडल का आनंद ले रहे थे, इसलिए आम आदमी की आवाज नहीं सुन रहे थे।''

आरएसएस विचारक ने लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन के पीछे 'अनावश्यक राजनीति' को भी कई कारणों में से एक बताया। उन्होंने कहा, ''महाराष्ट्र अनावश्यक राजनीति और ऐसी जोड़तोड़ का एक प्रमुख उदाहरण है जिससे बचा जा सकता था। अजित पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट भाजपा में शामिल हो गया जबकि भाजपा और विभाजित शिवसेना (शिंदे गुट) के पास आरामदायक बहुमत था। शरद पवार दो-तीन साल में फीके पड़ जाते क्योंकि राकांपा अपने भाइयों के बीच अंदरूनी कलह से ही कमजोर हो जाती।''

शारदा ने कहा, ''यह गलत सलाह वाला कदम क्यों उठाया गया? भाजपा समर्थक आहत थे क्योंकि उन्होंने वर्षों तक कांग्रेस की इस विचारधारा के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, उन्हें सताया गया था। एक ही झटके में भाजपा ने अपनी ब्रांड वैल्यू कम कर दी। महाराष्ट्र में नंबर वन बनने के लिए वर्षों के संघर्ष के बाद आज वह सिर्फ एक और राजनीतिक पार्टी बन गई है और वह भी बिना किसी अलग पहचान वाली।''

भाजपा में जल्द ही शुरू होगी देश भर में संगठनात्मक बदलावों की प्रक्रिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नए सदस्यता अभियान की शुरुआत के साथ व्यापक संगठनात्मक बदलावों की प्रक्रिया जल्द ही शुरू करने वाली है। इस कड़ी में राज्यों में आंतरिक चुनाव होंगे और फिर उसके बाद नए पार्टी अध्यक्ष का चुनाव होगा।

हालांकि, भाजपा के संविधान में हाल में संशोधन कर पार्टी की शीर्ष इकाई संसदीय बोर्ड को 'आपातकालीन' परिस्थितियों में अध्यक्ष व उसके कार्यकाल से संबंधित फैसला करने की शक्ति दे दी है। सूत्रों ने बताया कि पार्टी का संसदीय बोर्ड नड्डा के स्थान पर नए अध्यक्ष के चयन के लिए चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक उनका कार्यकाल बढ़ा सकता है। हालांकि, उन्होंने कहा कि अंतिम फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व को करना है।

नड्डा को केंद्रीय मंत्रिमंडल में स्वास्थ्य, रसायन और उर्वरक मंत्री के रूप में शामिल किए जाने के बाद उनके भाजपा में नए अध्यक्ष का चुनाव आवश्यक हो गया है। साल 2019 के लोकसभा चुनावों के दौरान भाजपा के अध्यक्ष अमित शाह को जब सरकार में गृह मंत्री बनाया गया था तो नड्डा को इसका कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। बाद में जनवरी 2020 में वह पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष चुने गए। इसलिए यह संभावना भी बनती है कि पार्टी किसी को कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में नियुक्त कर दे क्योंकि आगामी सदस्यता अभियान और इसकी संगठनात्मक इकाइयों चाहे वह जिले हों या राज्य, के चुनावों को आगे बढ़ाने के लिए पूर्णकालिक नेता की आवश्यकता हो सकती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हालांकि अपने दूसरे कार्यकाल में नड्डा को अपने मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया था। यह निर्णय एक स्पष्ट संकेत था कि एक अनुभवी नेता के रूप में नड्डा पार्टी के संगठनात्मक तंत्र को संभालेंगे। हालांकि नड्डा के संभावित विकल्प को लेकर अब तक कोई स्पष्टता नहीं हैं क्योंकि

अधिकांश अनुभवी नेता, जिन्हें संभावित विकल्प के रूप में देखा जा रहा था, वह अब सरकार का हिस्सा हैं। धर्मेंद्र प्रधान या भूपेंद्र यादव जैसे नेताओं को संगठन मामलों का जानकार माना जाता है और संभावित पार्टी अध्यक्ष के रूप में इनके नामों की चर्चा भी होती रही है लेकिन दोनों ही नेता मोदी मंत्रिमंडल के सदस्य बनाए गए हैं और दोनों को ही अहम विभागों की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है। इससे संकेत मिलता है कि पार्टी अपने राज्य के प्रमुख चेहरों या अपने राष्ट्रीय महासचिवों में से किसी को शीर्ष पद पर पदोन्नत कर सकती है।

सूत्रों ने बताया कि भाजपा के कुछ प्रदेश अध्यक्षों को केंद्र या राज्य सरकारों में भूमिका देने के अलावा उत्तर प्रदेश जैसे महत्वपूर्ण राज्य नए चेहरों को मौका दिए जाने की संभावना है क्योंकि सबसे बड़े इस प्रदेश में भाजपा प्रदर्शन निराशाजनक रहा है। पश्चिम बंगाल में भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार केंद्रीय मंत्री बन गए हैं जबकि बिहार के उनके समकक्ष सम्राट चौधरी राज्य में उपमुख्यमंत्री हैं। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी राज्य में पार्टी के प्रमुख हैं। राजस्थान भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी को पार्टी के सामाजिक समीकरण को साधने के लिए बदला जा सकता है क्योंकि राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी उन्हीं की तरह ब्राह्मण हैं। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनावों में पार्टी के निराशाजनक प्रदर्शन ने उसके प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी पर ध्यान केंद्रित किया है। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी के चुनाव प्रचार पर ध्यान केंद्रित करने के कारण संगठनात्मक चुनाव और बदलावों को रोक दिया गया था।

जो सीट छोड़नी है उसकी जानकारी बहुत जल्द विधानसभा में दे देंगे : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि वह बहुत जल्द विधानसभा में जानकारी देंगे कि लोकसभा सीट और विधानसभा सीट में से वह कौन सी सीट अपने पास रखेंगे।

सपा प्रमुख यादव मंगलवार को इटावा जिले के अपने पैतृक गांव सैफई में पत्रकारों से मुखातिब थे। पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि लोकसभा और विधानसभा सीट में से कौन सी सीट वह अपने पास रखेंगे, तो उन्होंने कहा ''करहल और मैनपुरी के कार्यकर्ताओं को मैंने बताया है कि मैं दो जगह से चुनाव तो जीत गया हूं लेकिन एक सीट छोड़नी पड़ेगी। बहुत जल्द विधानसभा में इसकी जानकारी दी जाएगी।'' सपा प्रमुख यादव हालिया लोकसभा चुनाव में कन्नौज संसदीय सीट से चुनाव जीते हैं, जबकि 2022 के विधानसभा चुनाव में वह मैनपुरी जिले के करहल विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते थे। विधानसभा में फिलहाल उनके पास नेता प्रतिपक्ष का दायित्व है। ऐसा कहा जा रहा है कि यादव विधानसभा की सदस्यता छोड़कर लोकसभा में सपा संसदीय दल के नेता बनेंगे। उप्र की 80 लोकसभा सीटों में से सपा 37 सीटें जीत कर लोकसभा में तीसरी बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। समाजवादी पार्टी के मुख्य प्रवक्ता और राष्ट्रीय सचिव राजेन्द्र चौधरी से जब शुक्रवार को सपा सांसदों की बैठक में अखिलेश यादव को संसदीय दल का नेता चुने जाने के बारे में पूछा गया था तब उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा था ''अखिलेश यादव ही सपा संसदीय दल के नेता होंगे। लेकिन इसके लिए एक औपचारिकता होती है जो दिल्ली में पूरी होगी।''

भाजपा की 'नफरत' के कारण नए मंत्रिपरिषद में मुसलमानों को प्रतिनिधित्व नहीं मिला : तेजस्वी

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने मंगलवार को आरोप लगाया कि अल्पसंख्यक समुदाय के प्रति सत्तारूढ़ भाजपा की 'नफरत' के कारण मुसलमानों को केंद्रीय मंत्रिपरिषद में कोई प्रतिनिधित्व नहीं मिला। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री यादव ने कहा कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने मणिपुर में हिंसा पर चिंता व्यक्त करने में 'देरी' की और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'चुप' रहने के कारण वहां स्थिति और बिगड़ गयी।

यादव ने 72 सदस्यीय केंद्रीय मंत्रिपरिषद में एक भी मुस्लिम को शामिल नहीं किए जाने के बारे में पूछे जाने पर कहा, यह साफ तौर पर नफरत का संकेत है.....दूसरी ओर, हम समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने में भरोसा करते हैं। मणिपुर के संबंध में भागवत की चिंता के बारे में पूछे जाने पर, यादव ने कहा, उन्होंने इस बारे में देर से टिप्पणी की है। वहीं प्रधानमंत्री ने हर संकट पर चुप्पी साध रखी है, चाहे वह उस राज्य में हिंसा हो या दिल्ली में किसानों और महिला पहलवानों का विरोध प्रदर्शन।''

लोकसभा अध्यक्ष ऐसा हो जो पक्ष और विपक्ष, दोनों को साधकर सदन चला सके : महाजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन ने मंगलवार को कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का पद संभालने वाले किसी नेता में संसदीय काम-काज के अनुभव के साथ ही पक्ष और विपक्ष, दोनों से तालमेल बैठाकर सदन चलाने की क्षमता होनी चाहिए। उन्होंने यह बात ऐसे वक्त कही, जब लोकसभा चुनाव के बाद बदले राजनीतिक हालात में देश के अगले लोकसभा अध्यक्ष के नाम को लेकर अटकलें तेज हो रही हैं।

महाजन ने इंदौर में ''पीटीआई-भाषा'' से कहा, ''लोकसभा अध्यक्ष का काम पक्ष और विपक्ष, दोनों को संभालते हुए सदन का काम-काज चलाना है। मेरे ख्याल में लोकसभा अध्यक्ष को थोड़ा अनुभवी होना चाहिए। यानी उसे संसदीय काम-काज का तजुर्बा होना चाहिए। अगर इस पद के लिए ऐसा व्यक्ति मिल जाए, तो बहुत अच्छी बात है।'' उन्होंने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष का स्वभाव और बातचीत का ढंग ऐसा होना चाहिए कि वह पक्ष और विपक्ष, दोनों को समझा सके। लोकसभा अध्यक्ष के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आंध्र प्रदेश इकाई की अध्यक्ष और राजमुंदरी से सांसद डी. पुरंदेश्वरी के नाम की अटकलों पर महाजन ने कहा, ''मुझे इस बारे में कोई जानकारी नहीं है, लेकिन पुरंदेश्वरी कई साल संसद में रही हैं और सब नेताओं को जानती भी हैं।'' लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष ने यह भी कहा कि लोकसभा चुनाव में ''प्रादेशिक कारणों से'' भाजपा की सीटें घटीं, लेकिन पार्टी की अगुवाई वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सरकार को ''सशक्त'' बहुमत हासिल है।

चार बांग्लादेशियों को किया गिरफ्तार , बनवाये थे फर्जी दस्तावेज

मुंबई/भाषा। एटीएस ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल करने के आरोप में चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि गोपनीय सूचना के आधार पर 'एटीएस' की जुहू इकाई ने हाल में रियाज हुसैन शेख (33), सुल्तान सिद्दीक शेख (54), इब्राहिम शफीउल्ला शेख (44) और फारुक उस्मानगनी शेख (39) को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश के रहने वाले चारों आरोपी शहर के अलग-अलग हिस्से में रहते हैं। ये कई सालों पहले गैरकानूनी रुप से देश में दाखिल हुए थे। जांच में पाया गया कि आरोपियों ने भारतीय पासपोर्ट हासिल करने के लिए सूरत के निवासी होने का जाली दस्तावेज इस्तेमाल किया था। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए लोगों के अलावा, यह भी पता चला है कि पांच और लोगों ने इसी तरह पासपोर्ट हासिल किए थे और उनमें से एक काम के लिए सऊदी अरब गया था।

लालू ने 77 पाउंड का केक काटकर मनाया 77वां जन्मदिन

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव ने मंगलवार को अपने परिवार और पार्टी के नेताओं की मौजूदगी में 77 पाउंड का केक काटकर अपना 77वां जन्मदिन मनाया। लालू की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास 10 सर्कुलर रोड के बाहर बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता एकत्र हुए और मिठाइयां बांटीं।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में प्रसाद की बेटी रोहिणी आचार्य ने कहा, आप जैसे महान व्यक्ति की बेटी होना मेरा सौभाग्य है। बचपन से ही आपने मुझे जीवन, मानवता, प्रेम, त्याग और कड़ी मेहनत का सही अर्थ सिखाया है। मैं आपकी गोद में खेली, आपकी उंगली पकड़कर चलना सीखा, यही मेरे लिए ईश्वरीय आशीर्वाद है, आपको जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं पापा। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह ने कहा कि प्रसाद हमेशा समाज के वंचित, दबे-कुचले और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं। सिंह ने कहा, पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए उनका संदेश सरल है-समाज के समग्र विकास के लिए काम करें और खासकर ग्रामीण इलाकों में रहने वालों के लिए। उन्होंने कहा कि प्रसाद के जन्मदिन को मनाने के लिए राजद कार्यकर्ताओं द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों में सामुदायिक भोज का आयोजन किया जा रहा है।

कांग्रेस के रकीबुल हुसैन ने विधानसभा से इस्तीफा दिया

गुवाहाटी/भाषा। रिकॉर्ड अंतर से लोकसभा चुनाव जीतने वाले कांग्रेस नेता रकीबुल हुसैन ने मंगलवार को असम विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। हुसैन ने विधानसभा अध्यक्ष विश्वजीत दैमारी को अपना त्याग पत्र सौंपा। इस दौरान विधानसभा के उपाध्यक्ष नुमाल मोमीन और कांग्रेस के कई नेता मौजूद थे। धुबरी से निर्वाचित सांसद के लिए कांग्रेस विधायक दल (सीएलपी) ने विदाई समारोह भी आयोजित किया। नगांव जिले के सामागुड़ी से पांच बार विधायक रहे हुसैन वर्तमान विधानसभा में कांग्रेस विधायक दल के उपनेता थे।

विदाई समारोह में विपक्ष के नेता देवव्रत सैकिया और मुख्य सचेतक वाजिद अली चौधरी, भरत चंद्र नारा, जाकिर हुसैन सिकदर और नंदिता डेका सहित कई वरिष्ठ नेता और विधायक उपस्थित थे।

समारोह में हुसैन ने कहा कि यह उनके लिए गर्व के साथ-साथ दुख का क्षण भी है। उन्होंने धुबरी के लोगों का आभार जताया जहां उन्होंने 10.12 लाख वोट के अंतर से जीत हासिल की है। यह राज्य में अब तक जीत का सबसे बड़ा अंतर है। उन्होंने सीट से एआईयूडीएफ के मौजूदा सांसद बदरुद्दीन अजमल को शिकस्त दी है। कांग्रेस नेता ने सामागुड़ी विधानसभा क्षेत्र के लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मैं 2001 से सामागुड़ी से जीतता आ रहा हूं, चाहे लहर कांग्रेस के पक्ष में रही हो या नहीं।

सिंधिया ने संचार मंत्रालय का कार्यभार संभाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने संचार मंत्रालय का कार्यभार मंगलवार को संभाल लिया और कहा कि दूरसंचार क्षेत्र तथा भारतीय डाक विभाग दोनों को वैश्विक व स्थानीय स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। मंत्री ने लगभग डेढ़ दशक पहले संचार राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दी थीं।

सिंधिया ने कार्यभार संभालने के बाद कहा, '' यह वास्तव में मेरे लिए सम्मान की बात है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मुझे संचार मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है। दूरसंचार प्रभाग के साथ-साथ भारतीय डाक प्रभाग को वैश्विक स्तर के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है, ताकि देश और दुनिया भर में लाखों लोगों के दिलों में जगह बनाई जा सके।'' मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में क्रांति आई है और उन्होंने प्रधानमंत्री तथा देश की जनता की आकांक्षाओं के अनुरूप सर्वोत्तम कार्य करने का संकल्प लिया। सिंधिया ने कहा, '' यह मेरे लिए एक तरह से एक चक्र पूरा करने जैसा है। मैंने पहले 2007, 2008 और 2009 में इस विभाग में कनिष्ठ मंत्री के तौर पर काम किया। इसलिए मेरे लिए यह ऐसा विभाग है जिसके साथ मेरा भावनात्मक जुड़ाव रहा है।'' नए दूरसंचार मंत्री के रूप में सिंधिया के सामने इस महीने के अंत में होने वाली 5जी स्पेक्ट्रम नीलामी को पूरा करने का कार्य है।

स्पेक्ट्रम नीलामी के अलावा सिंधिया को उपग्रह ब्रॉडबैंड सेवाओं, उद्योगपति एलन मस्क नीत स्टार्टलिंक के लिए सुरक्षा मंजूरी जैसे मुद्दों को भी प्राथमिकता देनी होगी और नए दूरसंचार अधिनियम के लिए नियम तैयार करने होंगे। सिंधिया को 100 दिवसीय एजेंडा पर काम शुरू करना होगा, जिसमें दूरसंचार क्षेत्र के लिए स्पष्ट प्राथमिकता वाले क्षेत्रों, प्रमुख उपलब्धियों, मार्ग दर्शन और लक्ष्यों की रूपरेखा होगी। सिंधिया पहली बार तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह नीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन-1 सरकार में मंत्री बने थे।

सोम ने संजीव बालियान पर किया पलटवार, कहा : मैंने चुनाव नहीं हराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मेरठ (उप्र)/भाषा। मुजफ्फरनगर संसदीय क्षेत्र से चुनाव हार जाने के बाद पूर्व केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने सोमवार को जहां बिना नाम लिए संकेतों में सरधना क्षेत्र के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व विधायक संगीत सोम पर भितरघात का आरोप लगाया, वहीं बालियान ने एक दिन बाद उन पर पलटवार किया है। पूर्व विधायक एवं भाजपा नेता संगीत सोम ने बालियान के आरोपों पर मंगलवार को कहा , ''संजीव बालियान का मीडिया के समक्ष मेरे ऊपर यह आरोप लगाना कि मैंने पार्टी को हराया और सपा के उम्मीदवार को चुनाव लड़ाया है, पूरी तरह गलत है।''

पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री डॉ. संजीव बालियान ने सोमवार को मुजफ्फरनगर में पत्रकारों से बातचीत में बिना नाम लिए सरधना के पूर्व विधायक संगीत सोम की तरफ इशारा करते हुए कहा था कि ''उन्होंने (सोम) सपा को चुनाव लड़ाने का काम किया है।''

बालियान ने अपनी हार का कारण बताते हुए कहा था , ''हार का मुख्य कारण मुसलमानों का ध्रुवीकरण, हिंदू मतों में बंटवारा और चुनाव प्रतिशत कम होना रहा। चुनाव में भितरघात के सवाल पर उन्होंने कहा कि कुछ जयचंद और विभीषण भी जनता के बीच गए, कुछ लोग शिखंडी की तरह नजर आए।'' बालियान के इन आरोपों के एक दिन बाद आज यहां सोम ने कहा कि सच्चाई यह है कि पार्टी सरधना में हारी नहीं है, बल्कि करीब-करीब बराबर रही है।

गोगोई का कटाक्षः तो क्या अब 230 से अधिक सांसदों को निलंबित करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस नेता गौरव गोगोई ने कहा है कि संसदीय लोकतंत्र के प्रति भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दृष्टिकोण तब तक नहीं बदलेगा जब तक नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि फुटबाल के खेल की तरह संसद में इस बार विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' की रक्षा पंक्ति बहुत मजबूत हो गई क्योंकि उसके पास 230 से अधिक सांसद हैं।

समाचार एजेंसी 'पीटीआई' के मुख्यालय में इसके संपादकों के साथ बातचीत में गोगोई ने यह दावा भी किया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाएगी।

उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी की नेतृत्व शैली यह विश्वास पैदा नहीं करती कि यह सरकार पांच साल सफलतापूर्वक चल सकती है। असम के जोरहाट से लोकसभा सदस्य गोगोई ने कहा, ''मैं देख रहा हूं कि 'इंडिया' गठबंधन के 236 सांसदों की उपस्थिति में यह एक ऐसी संसद होगी जहां वे (सत्तापक्ष) विधेयकों को मनमाने ढंग से पारित नहीं करा सकते, हमें डरा नहीं सकते, हमें निलंबित नहीं कर सकते।'' उन्होंने सवाल किया, ''सरकार ने (पिछले साल) 146 सांसदों को निलंबित करा दिया था। क्या वे इस बार 236 को निलंबित करेंगे?'' गोगोई पिछली लोकसभा में सदन के भीतर कांग्रेस के उप नेता थे। गोगोई ने इस धारणा को भी खारिज कर दिया कि राजग की सहयोगी तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू और जनता दल (यू) के नेता नीतीश कुमार ने सरकार गठन में सबकुछ भाजपा पर छोड़ दिया।

कोलकता के रेस्तरां में लगी आग, कोई हताहत नहीं

कोलकाता/भाषा। मध्य कोलकाता के पार्क स्ट्रीट क्षेत्र में मंगलवार को एक रेस्तरां में भीषण आग लग गई जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। एक अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में अब तक किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अधिकारी ने बताया कि सुबह करीब 10:50 बजे आग लगी जिस पर काबू पाने के लिए कम से कम नौ दमकल वाहनों को लगाया गया। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन टीम को भी मौके पर तैनात किया गया है।

पार्क स्ट्रीट पर एक बहुमंजिला भवन से सटे रेस्तरां में आग लगी। इमारत की ऊपरी मंजिलों से घना धुंआ और लपटें निकलती देखी गईं। इमारत का टिन की चादरों से ढका हुआ एक हिस्सा नष्ट हो गया। आस-पास स्थित आवासीय इमारतों और कार्यालयों से लोग डर के कारण सड़कों पर निकल आए। अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा मंत्री सुजीत बोस ने बताया कि अग्निशमन कर्मियों ने आग पर नियंत्रण पा लिया है और वह अभी पूर्ण शीतलन की प्रक्रिया को अंजाम दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि फॉरेंसिक जांच के बाद आग लगने के कारण का पता चल पाएगा। अधिकारी यह भी जांच करेंगे कि रेस्तरां मालिक ने सुरक्षा नियमों का पालन किया या नहीं। टिन की चादरों से बने ढांचे के बारे में पूछने पर बोस ने कहा कि अग्निशमन विभाग को इस बारे में कुछ नहीं कहना है।

हार नहीं मानने के जज्बे को बरकरार रखेंगे विष्णु सरवनन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौकाचालक विष्णु सरवनन को तोक्यो में अपने पहले ओलंपिक में निर्भीक रवैये से काफी मदद मिली थी और अब वह अगले महीने पेरिस में भी इसी हार नहीं मानने की मानसिकता को जारी रखने के लिए तैयार हैं।

सरवनन ने इस साल की शुरू में आस्ट्रेलिया में आईएलसीए 7 पुरुष विश्व चैम्पियनशिप से अपने दूसरे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया। इस 25 साल के नौकाचालक ने कहा, ''तोक्यो में मैं निर्भीक होकर खेला था। वो मेरा पहला ओलंपिक था तो मुझे नतीजे की इतनी परवाह नहीं थी। मैं बस अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता था और मैंने ठीक प्रदर्शन किया था। ''

सरवनन ने मंगलवार को भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) द्वारा करायी गयी वर्चुअल प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि वह अनुभवी नौकाचालकों और उनकी उपलब्धियों से प्रभावित नहीं हुए

जिससे उन्हें बेहतर प्रदर्शन करने का भरोसा मिला।

एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता ने कहा, ''उस निडरता ने मुझे सिखाया कि आप खुद को कुछ अनुभवी खिलाड़ियों से कमतर नहीं आंककर बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। आपको सहजता के उस स्तर तक जाना होगा जहां आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकें और मुझे लगता है कि मैंने इस सत्र में सुधार किया है। '' उन्होंने कहा, '' मैं आत्मविश्वास से भरा था और मैं हार नहीं मानने के जज्बे से खेल रहा था तो मैं उन्हें हराना चाहता था।''

सुविचार

अक्सर अकेलेपन से वही गुजरता है, जो जिंदगी में सही फैसलों को चुनता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

उम्मीदें भी ज्यादा

मोदी सरकार 3.0 के मंत्रियों के पदभार ग्रहण करने के बाद अब देश नई ऊर्जा के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लगातार तीसरी बार देशसेवा का यह अवसर दिया है। इस बार उनसे उम्मीदें भी ज्यादा हैं। खासकर युवा, किसान और महिला वर्ग नई सरकार के संबंध में अधिक आशान्वित है। हालांकि इतने बड़े देश में अपने कार्यों के लिए हर व्यक्ति से सराहना पाना तो असंभव है। देश के पास जितने संसाधन हैं, उनसे न तो हर युवा को सरकारी नौकरी दी जा सकती है और न ही हर व्यक्ति का हर सपना पूरा किया जा सकता है। सरकार की आलोचना होगी ही होगी। इस बार लोकसभा में विपक्षी दलों के सांसद भी ज्यादा चुनकर आए हैं। लिहाजा सरकार को कड़े सवालों के जवाब देने के लिए तैयार रहना चाहिए। आज जब हम साल 2014 के दिनों को याद करते हैं (जब मोदी पहली बार प्रधानमंत्री बने थे) तो पाते हैं कि इस एक दशक में देश ने कई क्षेत्रों में बहुत प्रगति की है। आज घर-घर तक मोबाइल इंटरनेट पहुंच गया है। लोगों के बैंक खाते खुल गए हैं। हमारा देश डिजिटल पेमेंट के क्षेत्र में नए कीर्तिमान रच रहा है। विदेशों में भारत की धाक बढ़ी है। भारतीय पासपोर्ट का सम्मान बढ़ा है। सूर्य मिशन और चंद्र मिशन में सफलता के बाद दुनिया में इसरो का डंका बज रहा है। इस अवधि में बड़ी तादाद में आतंकवादी मारे गए हैं। भारत का खुफिया तंत्र मजबूत हुआ है। कई कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठनों पर तगड़ा प्रहार हुआ है। देश में सड़कों का जाल बिछा है। यात्रियों को नई तकनीक का लाभ मिला है। स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं। हमने कोरोना जैसी बड़ी महामारी का दृढ़ता से सामना किया।

इस कार्यकाल में सरकार को चाहिए कि वह पिछले अनुभवों का लाभ उठाते हुए सुधारों का सिलसिला आगे बढ़ाए। जहां नरमी की जरूरत हो, वहां नरमी बरते। जहां सख्ती दिखानी हो, वहां रवैए में सख्ती लाए। इस समय देश में कई मुद्दों के साथ कुछ बड़े मुद्दे हैं, जिन पर सरकार को तुरंत ध्यान देते हुए जरूरी कदम उठाने चाहिएं। आज युवाओं के सामने रोजगार का संकट है। कई परीक्षाएं देने के बावजूद जब चयन नहीं होता है तो मन में निराशा घर करने लगती है। पड़ोसियों और रिश्तेदारों के ताने तीखे तीर बनकर चुभते हैं। एक सौ चालीस करोड़ से ज्यादा आबादी वाले इस देश से बहुराष्ट्रीय कंपनियां हर साल अरबों डॉलर का मुनाफा कमाती हैं, लेकिन हमारे युवाओं के पास पर्याप्त रोजगार नहीं है! सरकार को यह धारणा तोड़नी ही होगी कि रोजगार सिर्फ सरकारी नौकरी से मिल सकता है। ऐसे युवाओं को आगे लाना होगा, जिन्होंने सरकारी नौकरी के बजाय स्वरोजगार से बड़ी कामयाबी हासिल की। ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए रोजगार के ऐसे अवसरों का सृजन करना होगा, जो युवाओं की आकांक्षाएं पूरी कर सकें। ग्रामीण भारत में बहुत शक्ति व सामर्थ्य है। याद करें, जब कोरोना काल में बड़े-बड़े कारखानों और मॉल्स का संचालन बंद हो गया था, तब खेती ने हमारी अर्थव्यवस्था को ऊर्जा दी थी। गांवों में ड्रोन और इजराइली तौर-तरीकों से खेती बहुत बड़ा बदलाव ला सकती है। पिछले एक दशक में मोदी सरकार ने आम लोगों के लिए कई काम आसान कर दिए हैं। अब बिजली, पानी, फोन समेत सभी सेवाओं-सुविधाओं के बिल ऑनलाइन जमा हो जाते हैं। रेलवे स्टेशन, बस डिपो, सिनेमा घरों के सामने टिकटों के लिए लगने वाली कतारें बहुत छोटी हो गई हैं। पहले, छोटे शहरों में गैस सिलेंडर लेने और बैंक से संबंधित काम करवाने में आधा या पूरा दिन बीत जाता था। अब ये काम कुछ सेकंडों में हो जाते हैं। सरकार को चाहिए कि वह इस दिशा में और ज्यादा तेजी से आगे बढ़े। उसकी सभी सुविधाएं लोगों को घर बैठे मिलनी चाहिएं। किसी को भी सरकारी दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें। भ्रष्ट अधिकारियों व कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर साफ संदेश देना चाहिए कि जनता का हक मारने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकार आम लोगों की ज़िंदगी आसान बनाए। इसी से विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

ट्वीटर टॉक

पूर्व लोकसभा अध्यक्ष के.एस.हेगड़े जी की जयंती पर भावपूर्ण नमन। वृहद विधायी अनुभव के साथ लोकतांत्रिक मूल्यों के सशक्तिकरण को समर्पित रहे हेगड़े जी ने सदन की गरिमा को सदैव प्राथमिकता दी। उनके जीवन आदर्श व कार्य शैली हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

–ओम बिरला

आज संस्कृति मंत्रालय में पद्भार ग्रहण किया। मंत्रालय की टीम से आत्मीय स्वागत मिला। संस्कृति के क्षेत्र में पिछले दस वर्ष अभूतपूर्व रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन अनुसार नए सोपान तय करने हमारी टीम शानदार काम करती रहेगी।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

जम्मू-कश्मीर में तीर्थ यात्रियों की बस पर हुए कायराना हमले में चौमूं, जयपुर के चार नागरिकों की मृत्यु अत्यंत दुःखद है। अथाह दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनशील सरकार द्वारा पीड़ित प्रति परिवार को 50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान की जाएगी।

–भजनलाल शर्मा

प्रेरक प्रसंग

अविद्या की पूंछ

स्वामी रामकृष्ण परमहंस केशव सेन से मिलने गए तो उन्हें देखकर बोले, 'अरे! इसकी पूंछ गिर गई है।' यह सुनकर वहां बैठे सभी लोग हंस पड़े। पर केशवसेन जानते थे कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस कोई भी बात अन्यथा नहीं कहते सो उन्होंने उनसे उनके कहे का अर्थ पूछा।

परमहंस जी ने उत्तर दिया, 'जब तक मेढक के बच्चे की पूंछ नहीं गिर जाती, तब तक उसे पानी में ही रहना पड़ता है, वह किनारे से चढ़कर सूखी जमीन में विचर नहीं सकता। पर ज्यों ही उसकी पूंछ गिर जाती है, त्यों ही वह उछलकर जमीन पर आ जाता है, तब वह पानी में भी रह सकता है और जमीन पर भी। उसी तरह आदमी की जब तक अविद्या की पूंछ नहीं गिर जाती, तब तक वह संसार रूपी जल में ही पड़ा रहता है। उसके गिर जाने पर-ज्ञान होने पर, मुक्तभाव से मनुष्य विचरण कर सकता है और इच्छा होने पर संसार में भी रह सकता है।' स्वामी रामकृष्ण परमहंस के कृपाभाव का अर्थ सबको समझ आ गया।

सामयिक

बाल श्रम पर लगे लगाम

रमेश सर्राफ धमोरा
मोबाइल : 9414255034

किसी देश के बच्चे अगर शिक्षित और स्वस्थ्य होंगे तो वह देश उन्नति और प्रगति करेगा और देश में खुशहाली आयेगी। लेकिन अगर बच्चे बचपन से ही किताबों को छोड़कर कल-कारखनों में काम करने लगेंगे तो देश समाज का भविष्य उज्वल नहीं होगा। इसीलिये बच्चों को देश का भविष्य कहा जाता है। देश में आज भी करोड़ों बच्चे स्कूलों की बजाए कल-कारखानों, ढाबों और खतरनाक कहे जाने वाले उद्योगों में कार्य कर रहे हैं. जहां दो पेट के भोजन की शर्त पर उनका बचपन और भविष्य तबाह हो रहा है।

बाल श्रम लगातार एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। जिसके कारण बच्चों का बचपन गर्त में जा रहा है और उनको अपना अधिकार नहीं मिल पा रहा है। यह दिवस बाल श्रम के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने और इसको पूरी तरह से समाप्त करने के लिए व्यक्ति, गैर सरकारी संगठन एवं सरकारी संगठनों को प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है। इस साल विश्व बाल श्रम निषेध दिवस का थीम आइए अपनी मांगों पर कार्य करें बाल श्रम समाप्त करें! इस दिन जागरूकता बढ़ाने, बदलाव की पहल करने और बाल श्रम से मुक्त भविष्य की दिशा में योगदान करने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रस्तुत करता है।

संयुक्त राष्ट्र ने बाल श्रम पर कहा है कि पिछले तीन दशकों के इस समस्या से निपटने के लिए कई प्रयास किए गए हैं। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, अगर मूल कारणों को दूर कर दिया जाए तो बाल श्रम को खत्म किया जा सकता है। बाल मजदूरी उन्मूलन के लिए दुनिया भर में 12 जून को विश्व बाल श्रम निषेध दिवस मनाया जा रहा है। बाल मजदूरी के खिलाफ जागरूकता फैलाने और 14 साल से कम उम्र के बच्चों को इस काम से निकालकर उन्हें शिक्षा दिलाने के उद्देश्य से साल 2002 में द इंटरनेशनल लेबर ऑर्गनाइजेशन की ओर से इस दिवस की शुरुआत की गई थी। बाल श्रम के खात्मे के लिए आज के दिन श्रमिक संगठन, स्वयंसेवी संगठन और सरकारें तमाम आयोजन करती हैं। इन सबके बावजूद बाल मजदूरी पर लगाम नहीं लग पा रही है।

भारत में आदिकाल से ही बच्चों को ईश्वर का रूप माना जाता रहा है। लेकिन वर्तमान परिदृश्य इस सोच से काफी भिन्न है। बच्चों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है। गरीब बच्चे स्कूल में शिक्षा प्राप्त करने की उम्र में मजदूरी कर रहे हैं। पिछले कुछ वर्षों से भारत सरकार एवं राज्य सरकारों की पहल इस दिशा में सराहनीय है। उनके द्वारा बच्चों के उत्थान के लिये अनेक योजनाओं को प्रारंभ किया गया है, जिससे बच्चों के जीवन व उनकी शिक्षा पर सकारात्मक प्रभाव दिखे। शिक्षा का अधिकार भी इस दिशा में एक सराहनीय कार्य है। इसके बावजूद बाल श्रम की समस्या अभी भी एक विकट समस्या के रूप में विराजमान है। वर्तमान में देश के विभिन्न क्षेत्रों में छोटे स्तर पर होटल, घरों व फैक्ट्री में काम कर या अलग अलग व्यवसाय में मजदूरी कर लाखों बाल श्रमिक अपने बचपन को तिलांजलि दे रहें हैं, जिन्हें न तो किसी कानून की जानकारी है, और ना ही पेट पालने का कोई और तरीका पता है। भारत में ये बाल श्रमिक कालीन, दियासलाई, रत्न पॉलिश व जवाहरात, पीतल व कांच, बीड़ी उघोग, हस्तशिल्प, सूती होजरी, नारियल रेशा, सिल्क, हथकरघा, कढ़ाई, बुनाई, रेशम, लकड़ी की नक्काशी, फिश फीजिंग, पत्थर की खुदाई, स्लेट पेंसिल, चाय के बागान में कार्य करते देखे जा सकते हैं। लेकिन कम उम्र में इस तरह के कार्यों को असावधानी से करने पर इन्हें कई तरह की बीमारियां होने का खतरा होता है। एक अध्ययन में पता चला है कि जितने भी बच्चे बालश्रम में लिप्त हैं, वे या तो निरक्षर थे या पढ़ाई छोड़ दी थी। इनमें अधिकांश बच्चे बीमार पाए गए और कई बच्चे नशे के आदि भी थे।

बाल श्रम की समस्या का मुख्य कारण है निर्धनता और अशिक्षा है। जब तक देश में भुखमरी रहेगी तथा देश के नागरिक शिक्षित नहीं होंगे तब तक इस प्रकार की समस्याएं ज्यों की त्यों बनी रहेंगी। देश में बाल श्रमिक की समस्या के समाधान के लिये प्रशासनिक, सामाजिक तथा व्यक्तिगत सभी स्तरों पर प्रयास किया जाना आवश्यक हैं। यह आवश्यक है कि देश में कुछ विशिष्ट योजनाएं बनाई जाएं तथा उन्हें कार्यान्वित किया जाए जिससे लोगों का आर्थिक स्तर मजबूत हो सके और उन्हें अपने बच्चों को श्रम के लिये विवश न करना पड़े। प्रशासनिक स्तर पर सख्त-से-सख्त निर्देशों की आवश्यकता है जिससे बाल-श्रम को रोका जा सके। व्यक्तिगत स्तर पर बाल श्रमिक की समस्या का निदान हम सभी का नैतिक दायित्व है। इसके प्रति हमें जागरूक होना चाहिये तथा इसके विरोध में सदैव आगे आना चाहिये।

पूरी दुनिया के लिये बाल श्रम की समस्या एक चुनौती बनती जा रही है। विभिन्न देशों द्वारा बाल श्रम पर प्रतिबंध लगाने के लिये समय समय पर विभिन्न प्रकार के कदम उठाए गए हैं। बाल श्रम को काबू में लाने के लिये विभिन्न देशों द्वारा प्रयास किये जाने के बाद भी इस स्थिति में सुधार न होना चिंतनीय है। अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन द्वारा जारी रिपोर्ट से पता चलता है कि बाल श्रम को दूर करने में हम अभी बहुत पीछे हैं। दुनिया भर में 73 मिलियन बच्चे खतरनाक काम करते हैं। खतरनाक श्रम में मैनुअल सफाई, निर्माण, कृषि, खदानों, कारखानों तथा फेरी वाला एवं घरेलू सहायक इत्यादि के रूप में काम करना शामिल है।

बाल श्रम केवल भारत तक ही सीमित नहीं है, यह एक वैश्विक घटना है। यूनीसेफ के अनुसार बच्चों का नियोजन इसलिये किया जाता है, क्योंकि उनका आसानी से शोषण किया जा सकता है। बच्चे अपनी उम्र के अनुरूप कठिन काम जिन कारणों से करते हैं, उनमें आमतौर पर गरीबी पहला कारण है। इसके अलावा, जनसंख्या विस्फोट, सस्ता श्रम, उपलब्ध कानूनों का लागू नहीं होना, बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति अनिच्छुक माता-पिता जैसे अन्य कारण भी हैं। बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) संशोधन अधिनियम, 2016 के जरिए बाल श्रम (प्रतिबंध एवं नियमन) अधिनियम 1986 में संशोधन किया गया है ताकि किसी काम में बच्चों को नियुक्त करने वाले व्यक्ति पर जुर्माना के अलावा सजा भी बढ़ाई जा सके। संशोधित कानून सरकार को ऐसे स्थानों पर और जोखिम भरे कार्यों वाले स्थानों पर समय समय पर निरीक्षण करने का अधिकार देता है जहां बच्चों के रोजगार पर पाबंदी है।

संशोधित कानून के जरिए इसका उल्लंघन करने वालों के लिए सजा को बढ़ाया गया है। बच्चों को रोजगार देने वालों को अब छह महीने से दो साल की जेल की सजा होगी या 20,000 से लेकर 50,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों लग सकेगा। पहले तीन महीने से एक साल तक की सजा और 10,000 से 20,000 रुपये तक का जुर्माना या दोनों का प्रावधान था। दूसरी बार अपराध में संलिप्त पाए जाने पर नियोक्ता को एक साल से लेकर तीन साल तक की कैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कानून के मुताबिक किसी भी बच्चे को किसी भी रोजगार या व्यवसाय में नहीं लगाया जाएगा। हालांकि स्कूल के समय के बाद या अवकाश के दौरान उसे अपने परिवार की मदद करने की छूट दी गई है। समाज के प्रमुख लोगों को बाल श्रम को रोकने की दिशा में एक नई पहल करनी चाहिये। लोगें को बाल श्रम को रोकने के लिये समाज में जागरूकता लाने का प्रयास करना चाहिये व बच्चो से काम करवाने वाले लोगों के खिलाफ कानूनन कार्यवाही करवानी चाहिये तभी बाल श्रम पर रोक लग पायेगी। कानूनन कार्यवाही के डर से मालिक बाल श्रमिकों को अपने यहां काम पर रखने से डरने लगेगें।

चिंतन

प्रिंट मीडिया से युवाओं ने बना ली है दूरी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

लगता है युवाओं ने प्रिंट मीडिया से अपनी दूरी बना ली है। आज बच्चों से युवाओं तक के हाथ में अख़बार या पुस्तक नहीं मिलती है। ये मोबाइल से लैस होते है। आखिर यह प्रिंट मीडिया है क्या, इसकी जानकारी होनी जरुरी है। प्रिंट मीडिया मुख्य रूप से समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और पुस्तकों के माध्यम से समाचार बताने का मुद्रित संस्करण है। प्रिंट मीडिया वह मीडिया है जो हमें लिखित जानकारी देता है। आज का युवा अख़बार का मतलब मोबाइल ही समझता है। वह अख़बार के स्थान पर मोबाइल पर ख़बरें देखना ज्यादा पसंद करता है। पुस्तकों से भी उसने दूरी बना ली है। प्रिंटिंग प्रेस से पहले, ज्ञान मौखिक रूप से या महंगी हस्तलिखित पुस्तकों के माध्यम से फैलता था. लेकिन अब प्रिंटिंग प्रेस ने लोगों को पहले से कहीं ज्यादा तेजी से शिक्षित करना संभव बना दिया। आज नए विचारों और ज्ञान को पुस्तकों या समाचार पत्रों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों के साथ साझा किया जा सकता है। प्रिंट मीडिया के प्रमुख साधनों में, दैनिक समाचार पत्र, पत्रिका, पुस्तकें, बैनर, होर्डिंग, पोस्टर,फ्लावर, लीफलेट न्यूज़लेटर्स और पोस्टकार्ड शामिल है।

स्कूल और कॉलेज में लाइब्रेरी जरूर है, जहाँ अख़बार और पुस्तकें बहुतायत से सुलभ होती है मगर उसमें जाने का समय विद्यार्थी के पास नहीं है। कक्षा में विषयों के पीरियड अवश्य होते है खेलकूद का भी समय होता है मगर अख़बार या पुस्तक पढ़ने अथवा पुस्तकालय का कोई पीरियड नहीं होता। अध्यापक भी बच्चों को अख़बार, पुस्तक या सद साहित्य पढ़ने संबंधी कोई जानकारी नहीं देते। यही कारण है कि इन्टरनेट के इस युग में हम मुद्रित सामग्री को भूल गए है। पढ़ने का मतलब इस संचार क्रांति में इन्टरनेट ही रह गया है युवा चौबीसों घंटे हाथ में मोबाइल लिए इन्टरनेट पर चौट करते मिल गाएंगे। वे पुस्तक से परहेज करने लगे है मगर मोबाइल को रिचार्ज करना नहीं भूलते। उन्हें घर या बाहर यह बताने वाला कोई नहीं है की अख़बारों और पुस्तकों का भी अपना एक संसार है। वे प्रेमचंद की किसी पुस्तक के बारे में नहीं जानते। कॉमेडियन कपिल के शो के बारे में जरूर जानते है मगर शरत चंद्र या हरिशंकर परसाई की किसी शख्शियत से वाकिफ नहीं है। उन्हें पुस्तक अथवा पुस्तक की महिमा से कोई लेना देना नहीं है। वे पुस्तक मेले में जाना नहीं चाहते। वे किसी अच्छे मॉल में जरूर जाना चाहते है जहाँ उन्हें अपनी मन पसंद खाने पीने और पहनने की वस्तु मिल जाये। वे टीवी जरूर खोलते है मगर न्यूज़ चैनल नहीं देखते। या तो स्पोटर्स चैनल खोलेंगे अथवा कोई सीरियल या फिल्म देखना पसंद करेंगे। ओ है। टीटी प्लेटफॉर्म पर जरूर जायेंगे। न्यूज़ से अपना कोई वास्ता नहीं रखेंगे। न्यूज़ केवल वे ही देखेंगे जो किसी कॉम्पिटिशन की तैयारी में जुटे है।

जमाना जिस तेजी से बदल रहा है उसे देखते हुए लगता है किताब अब गुजरे जमाने की चीज रह जाएगी अब उन्हें कौन समझाएं की उसके अभिभावक पुस्तक के ज्ञान को सहेज कर आगे बढे है। अब तो गली मोहल्ले में कोई वाचनालय या पुस्तकालय भी नहीं है। जहाँ शांति से बैठकर पढ़ा जाये। यदि कहीं ऐसी जगह भूल से मिल भी जाये तो उनका मोबाइल उसे पढ़ने नहीं देगा। आखिर वह कैसे पुस्तक के बारे में कैसे जाने औए ज्ञान प्राप्त करें। पुस्तक या किताब लिखित या मुद्रित पेजों के संग्रह को कहते हैं।, पुस्तकें ज्ञान का भण्डार है। पुस्तकें हमारी दुष्ट वृत्तियों से सुरक्षा करती हैं। इनमें लेखकों के जीवन भर के अनुभव भरे रहते हैं । यदि कोई परिश्रम करे और अनुभव प्राप्त करने के लिए जीवन लगा दे और फिर उस अनुभव को पुस्तक के थोड़े से पन्नों में दर्ज कर दे तो पाठकों के लिए इससे ज्यादा लाभ की बात क्या हो सकती है ।अच्छी पुस्तकें पास होने पर उन्हें मित्रों की कमी नहीं खटकती है वरन वे जितना पुस्तकों का अध्ययन करते हैं । पुस्तकें उन्हें उतनी ही उपयोगी मित्र के समान महसूस होती हैं । पुस्तकें एक तरह से जाग्रत देवता हैं उनका अध्ययन मनन और चिंतन कर उनसे तत्काल लाभ प्राप्त किया जा सकता है । मनुष्य को प्रतिदिन सदग्रंथों का अवलोकन करना चाहिए । अच्छी पुस्तकें हमारा सही मार्ग प्रशस्त करती है और उत्तम जीवन जीने का सन्देश हमें प्रदान करती हैं । एक तरह से पुस्तकें हमारी सच्ची मित्र और हितैषी होती हैं । हमारे जीवन को महत्वपूर्ण बनाने में पुस्तक का सबसे ज्यादा योगदान होता है। तकनीक ने भले ज्ञान के क्षेत्र में क्रांति ला दी है, पर पुस्तकें आज भी विचारों के आदान-प्रदान का सबसे सशक्त माध्यम हैं।

नजरिया

मणिपुर में शांति बहाल करना हो मोदी सरकार की प्राथमिकता

अशोक भाटिया
मोबाइल : 9221232130

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्य मणिपुर में 3 मई 2023 को इम्फाल घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतै लोगों और कुकी जनजाति लोगों सहित आसपास की पहाड़ियों के आदिवासी समुदाय के बीच एक नृजातीय झगड़ा छिड़ गया था । ।4 जुलाई तक, हिंसा में 142 लोग मारे जा चुके थे और 300 से अधिक अन्य घायल हो गए। 4 जुलाई तक, लगभग 54,488 लोगों के आंतरिक रूप से विस्थापित होने की सूचना है। पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर करीब एक साल से हिंसा की आग में झुलस रहा है, जिसे लेकर लोकसभा चुनाव में विपक्षी पार्टियों ने कई बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर लिया था ।पर किसे नहीं मालूम यह हिंसा की आग कब बुझेगी। इस वक्त मणिपुर से एक बड़ी खबर सामने आई है। मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के सुरक्षा काफिले पर उग्रवादियों ने घात लगाकर हमला कर दिया। इस हमले में 1 जवान घायल हो गया है। मुख्यमंत्री के सुरक्षा काफिले यह हमला उस समय किया गया है, जब यह काफिला हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले की तरफ जा रहा था। पूरा मामला ये है कि मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह मंगलवार को जिरीबाम का दौरा करने वाले थे।

उनके दौरे से पहले मुख्यमंत्री की सुरक्षा टीम वहां जा रही था। संदिग्ध उग्रवादियों ने घात लगाकर टीम पर हमला कर दिया। सुरक्षा बलों के वाहनों पर कई गोलियां चलाई गईं, जिसके बाद सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने बताया कि हमले के दौरान एक जवान घायल हो गया। उग्रवादियों ने शनिवार को जिरीबाम में दो पुलिस चौकियों, फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के ऑफिस और करीब 70 मकानों में आग लगा दी थी। काफिले पर हमले के बाद मुख्यमंत्री बीरेन सिंह कहा, यह बेहद ही दुर्भाग्यपूर्ण और अत्यंत निंदनीय है। यह सीधे मुख्यमंत्री पर, यानी सीधे राज्य की जनता पर हमला है। इसलिए राज्य सरकार को कुछ करना होगा। इसलिए मैं अपने सभी साथियों से बात करूंगा और हम कोई निर्णय लेंगे। मुख्यमंत्री वहां मौजूदा स्थिति का जायजा लेने जाने वाले थे इससे एक दिन पहले ये खबर सामने आ गई। मणिपुर करीब एक साल से छिटपुट हिंसा की चपेट में है। मैतेई और कुकी समुदायों के बीच शुरू हुई जातीय हिंसा खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। गौरतलब है कि आए दिन यहां गोलीबारी और हत्या की खबरें अभी भी सामने आती रहती हैं। मणिपुर में मई 2023 में हिंसा भड़की थी, तब से लगातार गोलीबारी-हिंसा जैसी घटनाएं घट रही हैं। मैतेई-कुकी विवाद को अब तक पूरी तरह सुलझाया नहीं गया है। मणिपुर में जातीय हिंसा को शांत कराने के लिए न जाने कितने जतन किए गए, इसके बावजूद इस पर पूरी तरह लगाम नहीं लग पाया है। मैतेई लोग मणिपुर की आबादी का लगभग 53 प्रतिशत हिस्सा बनाते हैं और मुख्य रूप से इंफाल के आसपास के घाटी क्षेत्रों में बसे हुए हैं, जबकि आदिवासी पहाड़ियों में ज्यादातर निवास करते हैं।

अब प्रधानमंत्री मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को इस बारे में बोलना पड़ा । उन्होंने सोमवार शाम हिंसा प्रभावित मणिपुर को लेकर बड़ा बयान दिया है । पिछले साल मई में हिंसा भड़कने के बाद पहली बार इस मुद्दे पर बोलते हुए मोहन भागवत ने चिंता जाहिर की और कहा कि मणिपुर एक साल से शांति का इंतजार कर रहा है। हिंसा को रोकना होगा और इसे प्राथमिकता देनी होगी।' यहां रेशमबाग में डॉ। हेडगेवार स्मृति भवन परिसर में संगठन के कार्यकर्ता विकास वर्ग-द्वितीय' के समापन कार्यक्रम में आरएसएस प्रशिक्षुओं की एक सभा को संबोधित करते हुए भागवत ने कहा कि विभिन्न स्थानों और समाज में संघर्ष अच्छा नहीं है। उन्होंने चुनावी बयानबाजी से बाहर आकर देश के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, मणिपुर पिछले एक साल से शांति स्थापित होने की प्रतीक्षा कर रहा है। दस साल पहले मणिपुर में शांति थी। ऐसा लगा था कि वहां बंदूक संस्कृति खत्म हो गई है, लेकिन राज्य में अचानक हिंसा बढ़ गई है। आरएसएस प्रमुख ने कहा, मणिपुर की स्थिति पर प्राथमिकता के साथ विचार करना होगा। चुनावी बयानबाजी से ऊपर उठकर राष्ट्र के सामने मौजूद समस्याओं पर ध्यान देने की जरूरत है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा कि अशांति या तो भड़की या भड़काई गई, लेकिन मणिपुर जल रहा है और लोग इसकी तपिश का सामना कर रहे हैं।

उन्होंने कहा पिछले साल मई में मणिपुर में मेइती और कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क उठी थी। तब से अब तक करीब 200 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि बड़े पैमाने पर आगजनी के बाद हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। इस आगजनी में मकान और सरकारी इमारतें जलकर खाक हो गई हैं। पिछले कुछ दिनों में जिरीबाम से ताजा हिंसा की सूचना आयी हैं। हाल में हुए लोकसभा चुनावों के बारे में भागवत ने कहा कि नतीजे आ चुके हैं और सरकार बन चुकी है, इसलिए क्या और कैसे हुआ आदि पर अनावश्यक चर्चा से बचा जा सकता है। उन्होंने कहा कि आरएसएस 'कैसे हुआ, क्या हुआ' जैसी चर्चाओं में शामिल नहीं होता है।

उन्होंने कहा कि संगठन केवल मतदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता उत्पन्न करने का अपना कर्तव्य निभाता है। उन्होंने सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आम सहमति की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि आम जनता के लिए काम किया जा सके। भागवत ने कहा कि चुनाव बहुमत हासिल करने के लिए होते हैं और यह एक प्रतिस्पर्धा है, युद्ध नहीं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक दल और नेता एक-दूसरे की बुराई कर रहे हैं, लेकिन वे इस बात पर ध्यान नहीं दे रहे हैं कि इससे समुदायों के बीच दरार पैदा हो सकती है। उन्होंने अफसोस जताया कि आरएसएस को भी बिना किसी कारण के इसमें घसीटा जा रहा है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि चुनाव में हमेशा दो पक्ष होते हैं, लेकिन जीतने के लिए झूठ का सहारा नहीं लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि तकनीक (परोक्ष तौर पर डीपफेक आदि की ओर इशारा करते हुए) का उपयोग करके झूठ फैलाया गया। भागवत ने देश में हो रही 'रोड रेज' (सड़क पर होने वाली मारपीट की घटनाओं) की घटनाओं पर भी चिंता जतायी।

महत्त्वपूर्ण
Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चोरी हुई 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाएगी ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लंदन। ब्रिटेन के प्रतिष्ठित ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय ने एक संत की 500 साल पुरानी कांस्य मूर्ति भारत को लौटाने पर सहमति जताई है। यह माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चुराई गई थी। विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय की ओर से जारी किए गए एक बयान में कहा गया, 11 मार्च 2024 को ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय की परिषद ने एशमोलियन संग्रहालय से संत तिरुमंकाई अलवर की 16वीं शताब्दी की कांस्य मूर्ति की वापसी के लिए भारतीय उच्चायोग के दावे का समर्थन किया। अब आखिरी निर्णय के लिए यह चैरिटी आयोग को प्रस्तुत किया जाएगा।

संत तिरुमंकाई अलवर की 60 सेंटीमीटर ऊंची प्रतिमा को 1967 में डॉ. जे.आर. बेलमोंट (1886-1981) नामक एक संग्रहकर्ता के संग्रह से ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय के एशमोलियन संग्रहालय द्वारा प्राप्त किया गया था।

यह मूर्ति सोथबी की नीलामी से प्राप्त की गई थी। संग्रहालय का कहना है कि पिछले वर्ष नवम्बर में एक स्वतंत्र शोधकर्ता ने उसे इस प्राचीन मूर्ति की उत्पत्ति के बारे में जानकारी दी थी, जिसके बाद उन्होंने भारतीय उच्चायोग को इस मूर्ति के बारे में सूचित किया था।

भारत सरकार ने इस कांस्य मूर्ति के लिए औपचारिक रूप से विश्वविद्यालय से अनुरोध किया। यह माना जाता है कि यह मूर्ति तमिलनाडु के एक मंदिर से चुराई गई थी और नीलामी के जरिए ब्रिटेन के एक संग्रहालय तक पहुंची। विश्व की कुछ सर्वाधिक प्रसिद्ध कला और पुरातत्व कलाकृतियां रखने वाले इस संग्रहालय का कहना है कि 1967 में उसने इस मूर्ति को हासिल किया था।

चुराई गई भारतीय कलाकृतियों को ब्रिटेन द्वारा भारत को लौटाए जाने के कई उदाहरण हैं। अभी पिछले साल अगस्त में आंध्र प्रदेश से लायी गयी चूना पत्थर पर तराशी गई मूर्ति और 17वीं सदी की तमिलनाडु की नवनीत कृष्ण कांस्य मूर्ति को जांच के बाद ब्रिटेन में भारतीय उच्चायुक्त को सौंप दिया गया था।

देश में कोई असुरक्षित नहीं, 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र को लेकर आगे बढ़ेंगे : रीजीजू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने देश में अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न संबंधी दावों को दुष्प्रचार करार देते हुए मंगलवार को कहा कि देश में कोई असुरक्षित नहीं है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की समावेशी नीतियों के चलते सबका ध्यान रखा जा रहा है। उन्होंने बतौर मंत्री कार्यभार संभालने के बाद यह भी कहा कि मोदी सरकार 'सबका साथ, सबका विकास' के मंत्र के साथ सबको लेकर आगे बढ़ेगी और विकसित भारत बनाने की दिशा में काम करेगी।

यह पूछे जाने पर कि वह देश के भीतर और बाहर उन लोगों से क्या कहेंगे, जो अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न के बारे में बात करते हैं, रीजीजू ने कहा, हम दुष्प्रचार से परेशान नहीं हैं। हम हर भारतीय के कल्याण के बारे में चिंतित हैं। जब प्रधानमंत्री 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' कहते हैं तो इसका मतलब है सबको एक साथ रहना है, हर दृष्टि से एक होना है। उनका कहना था, जब प्रधानमंत्री कोई योजना शुरू करते हैं, तो यह जाति, पंथ और धर्म के आधार पर किसी के बीच भेदभाव नहीं करती है।

मैजेन्टा मोबिलिटी ने टाटा मोटर्स के साथ साझेदारी मजबूत की

100 से ज्यादा टाटा ऐस ईवी पोर्टफोलियो में शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। इंटीग्रेटेड इलेक्ट्रिक मोबिलिटी सोल्यूशंस प्रोवाइडर मैजेन्टा मोबिलिटी ने टाटा मोटर्स के साथ अपनी साझेदारी को और मजबूत किया है। इसके तहत मैजेन्टा टाटा ऐस ईवी की 100 से ज्यादा गाड़ियों को अपने इस्तेमाल में लाएगी। इसमें ऐस ईवी की 60 से ज्यादा और हाल में लॉन्च किए गए ऐस ईवी 1,000 की 40 से ज्यादा गाड़ियां शामिल हैं। अक्टूबर 2023 में किए गए एमओयू के तहत इन गाड़ियों को मैजेन्टा के पोर्टफोलियो में शामिल किया है। एमओयू के तहत टाटा ऐस ईवी की 500 गाड़ियों को मैजेन्टा के पोर्टफोलियो में शामिल करने का लक्ष्य तय किया गया है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए मैजेन्टा मोबाइल के संस्थापक और सीईओ मैक्ससन लुईस ने कहा, 'हम टाटा मोटर्स के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत कर काफी उत्साहित हैं। इससे देशभर में मोबिलिटी के लिए सुरक्षित, स्मार्ट और स्थायी सोल्यूशन प्रदान करने की हमारी प्रतिबद्धता और सुदृढ़ हुई है। 100 से ज्यादा टाटा ऐस ईवी को शामिल कर अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य 'अबकी बार दस हजार' कार्यक्रम को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। कार्यक्रम का लक्ष्य सितंबर 2025 तक 10 हजार इलेक्ट्रिक वाहनों को सड़कों पर लाना है।'

टाटा मोटर्स में एससीवीपीयू के वाइस प्रेसिडेंट और बिजनेस हेड विनय पाठक ने कहा, 'मैजेन्टा मोबिलिटी के साथ साझेदारी में एक महत्त्वपूर्ण उपलब्धि के प्रतीक के रूप में हमें अपनी गाड़ियों के पोर्टफोलियो में टाटा ऐस ईवी को शामिल करके काफी गर्व महसूस हो रहा है। यह एडवांस्ड, जीरो उत्सर्जन करने वाले मोबिलिटी समाधानों की मदद से शहर में सामानों के वितरण के क्षेत्र में क्रांति लाने के हमारे साझा विजन को और मजबूत करता है। ऐस ईवी का निर्माण दोनों कंपनियों के संयुक्त प्रयास से किया गया है। हम एकसाथ मिलकर भारत के लिए ज्यादा स्वच्छ, हरित और पर्यावरण के लिहाज से ज्यादा सजग भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं।'

बता दें कि ऐस ईवी ईवोजेन पावरट्रेन से लैस है, जो उपभोक्ताओं को बैटरी पर सात साल की वारंटी और पांच साल के कॉम्प्रीहेंसिव मेंटेनेंस पैकेज के साथ ड्राइविंग का अनुभव देती है। यह सुरक्षित, सभी मौसम में संचालन के लिए उपयुक्त गाड़ी है। इसमें एडवांस्ड बैटरी कूलिंग सिस्टम के साथ ड्राइविंग रेंज को बढ़ने के लिए रिजेनरेटिव ब्रेकिंग सिस्टम है।

प्रियंका वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो हारते मोदी : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायबरेली। रायबरेली से कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने हाल के लोकसभा चुनाव में 'नफरत, हिंसा और अहंकार के खिलाफ मतदान' करने के लिये जनता को धन्यवाद देते हुए मंगलवार को दावा किया कि अगर कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाराणसी से चुनाव लड़तीं तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दो-तीन लाख वोट से हार जाते।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल ने यहां 'आभार सभा' में कहा, इस चुनाव में हिंदुस्तान ने संदेश भेजा है कि हमें नरेन्द्र मोदी जी का 'विजन' अच्छा नहीं लगता। हमें नफरत नहीं चाहिए, हमें हिंसा नहीं चाहिए। हमें मोहब्बत की दुकान चाहिए। हमें देश के लिए नया 'विजन' चाहिए। अगर देश को नया 'विजन' देना है तो उत्तर प्रदेश से ही देना होगा और उत्तर प्रदेश ने संदेश दिया है कि हम प्रदेश और देश में इंडिया गठबंधन, समाजवादी पार्टी और कांग्रेस को चाहते हैं। राहुल ने अयोध्या की सीट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पराजय का जिक्र करते हुए कहा, जवाब अयोध्या की जनता ने दिया है। सिर्फ अयोध्या में ही नहीं,.... वाराणसी में भी प्रधानमंत्री जान बचाकर निकले हैं। मैं अपनी बहन (प्रियंका वाड्रा) से कह रहा हूं कि अगर यह वाराणसी में लड़ जातीं तो आज प्रधानमंत्री दो-तीन लाख वोट से वाराणसी का चुनाव हार जाते। उन्होंने कहा, मैं यह बात अहंकार से नहीं कह रहा हूं बल्कि इसलिए कह रहा हूं क्योंकि प्रधानमंत्री को जनता ने संदेश दिया है कि आपकी जो राजनीति है वह हमें अच्छी नहीं लगी। हम प्रगति चाहते हैं। आपने 10 साल इस देश में बेरोजगारी, नफरत और हिंसा फैलाई । जनता ने प्रधानमंत्री को जवाब दिया। कांग्रेस सांसद ने कहा, शुरुआत आपके (जनता के) दिल में हुई थी तभी आपने बदलाव लाया है। मैं दिल से आपका धन्यवाद करना चाहता हूं। आने वाले समय में मैं चाहता हूं कि जो देश के सामने सच्चे मुद्दे हैं... बेरोजगारी, महंगाई का मुद्दा, किसानों और मजदूरों का मुद्दा है... ये मुद्दे उठाए जाएं और गरीबों की मदद करने की राजनीति हो। उन्होंने कहा कि जनता ने ही नकारात्मक राजनीति के खिलाफ पूरे देश में माहौल बनाया है, अवाम ने ही देश की राजनीति को बदल डाला है। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संविधान को सिर माथे लगाये जाने का जिक्र करते हुए कहा, पहले मोदी जी कह रहे थे कि भगवान मुझे आदेश देते हैं और मैं काम करता हूं।

ग्रीन व्हीकल एक्सपो 2024 व इंडिया ईवी 2024 इसी महीने में होगा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। ग्रीन व्हीकल एक्सपो 2024 व इंडिया ईवी 2024 इस महीने के आखिरी में आयोजित किए जा रहे हैं। इसमें ग्रीन व्हीकल एक्सपो-2024 बेंगलूरु में 28 से 30 जून व इंडिया ईवी-2024 चेन्नई में 29 से 30 जून को होने जा रहा है।

ग्रीन व्हीकल एक्सपो, मेड इन इंडिया और मेक इन इंडिया दोनों पहलों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करता है। यह प्रदर्शनी अत्याधुनिक 2-पहिया, 3-पहिया, हाइब्रिड वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहन अवसंरचना को प्रदर्शित करती है। लॉग9 के प्राथमिक भागीदार के रूप में, 2024 की इस ऑटोमोटिव प्रदर्शनी में अंतिम-मील लॉजिस्टिक्स के लिए डिज़ाइन किए गए नवीनतम इलेक्ट्रिक वाहन लाइनअप को पेश किया जाएगा। इस कार्यक्रम को भारत सरकार का समर्थन प्राप्त है। इस एक्सपो में भाग लेने से कंपनियों की नई पहलों के साथ जुड़ने और संधारणीय परिवहन के विकसित परिदृश्य में अपने योगदान को प्रदर्शित करने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। उधर इंडिया ईवी शो में इलेक्ट्रिक वाहन उद्योग में परिवर्तनकारी बदलावों को देखने का अवसर मिलेगा।

इस प्रदर्शनी में 100 से अधिक ईवी ब्रांड और इनोवेटर्स अपनी गाड़ियों का प्रदर्शन करेंगे। 5000 से अधिक उद्योग पेशेवरों, जिनमें सलाहकार, निवेशक, प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ और उपभोक्ता शामिल हैं, की अनुमानित उपस्थिति के साथ, यह भारत की सबसे बड़ी इलेक्ट्रिक वाहन प्रदर्शनी है। इस कार्यक्रम में प्रदर्शन करने से आपके लक्षित दर्शकों को आपके समाधान दिखाने और आपके ब्रांड को उद्योग के अग्रणी के रूप में स्थापित करने में मदद मिलेगी।

अनुपम खेर ने सुपरस्टार रजनीकांत के साथ शेयर किया वीडियो, कहा- भगवान का तोहफा

मुंबई/एजेन्सी

अनुभवी एक्टर्स अनुपम खेर और रजनीकांत को हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में साथ में देखा गया। अनुपम ने इससे जुड़ा एक वीडियो अपने सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है। अनुपम ने मंगलवार को अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें तमिल मेगास्टार के साथ देखा जा सकता है। एक्टर इस वीडियो में रजनीकांत की तारीफ कर रहे हैं। वीडियो में अनुपम, रजनीकांत के साथ-साथ चलते हुए दिखाई रहे हैं। उनके चारों ओर सुरक्षाकर्मी मौजूद हैं। वह तारीफ करते हुए कहते है, ''वन एंड ओनली, मिस्टर रजनी-द-कांत! वन एंड ओनली! भगवान का तोहफा!''

इस दौरान अनुपम की तारीफ सुन रजनीकांत कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए नजर आ रहे हैं। अनुपम ने कैप्शन में लिखा, मानवता के लिए भगवान का तोहफा! एकमात्र- रजनीकांत! जय हो... प्रधानमंत्री मोदी और उनके मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रीय राजधानी में राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया गया। इस समारोह में देश की जानी-मानी हस्तियां शामिल हुईं। बॉलीवुड से शाहरुख खान, अक्षय कुमार, भोजपुरी स्टार रवि किशन, तेलुगु सुपरस्टार पवन कल्याण, भोजपुरी एक्टर और राजनेता निरहुआ, अभिनेता मनोज तिवारी, एक्ट्रेस रवीना टंडन समेत कई सेलेब्स पहुंचे थे। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनुपम खेर को पिछली बार 'कागज 2' में देखा गया था। इसमें उनके साथ दर्शन कुमार, नीना गुप्ता और दिवंगत एक्टर सतीश कौशिक लीड रोल में थे। वहीं उन्होंने अपने नए प्रॉजेक्ट 'तन्वी द ग्रेट' के बारे में घोषणा की थी। इसके अलावा वह कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' में नजर आएंगे।

'मिर्जापुर 3' जुलाई में होगी रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

पॉपुलर एक्शन-क्राइम-थ्रिलर सीरीज 'मिर्जापुर' के तीसरे सीजन की रिलीज डेट से पर्दा उठ गया है। इस सीरीज का प्रीमियर 5 जुलाई को ओटीटी पर होगा। रिलीज डेट सामने आने के बाद से लोगों की एक्साइटमेंट काफी बढ़ गई है। सीजन में 10 एपिसोड होंगे। 'मिर्जापुर' अखंडानंद त्रिपाठी (पंकज त्रिपाठी) की कहानी है, जिन्हें कालीन भैया के नाम से भी जाना जाता है। वह उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल क्षेत्र में मिर्जापुर के काल्पनिक शासक और माफिया डॉन हैं। इस सीरीज में पंकज त्रिपाठी, अली फजल, श्वेता त्रिपाठी शर्मा, रसिका दुगल, विजय वर्मा, ईशा तलवार, अंजुम शर्मा, प्रियांशु पेनयुली, हर्षिता शेखर गौर, राजेश तैलंग, शीबा चड्ढा, मेघना मलिक और मनु ऋषि चड्ढा जैसे शानदार कलाकारों की टोली है।

प्रोड्यूसर रितेश सिधवानी ने एक बयान में कहा, 'मिर्जापुर' के पहले दो सीजन को देश और दुनिया भर में भरपूर प्यार मिला, जो वाकई हमारे लिए काफी उत्साहजनक रहा। मिल रहे जबरदस्त सपोर्ट से ही हमें अपने परफॉर्मेंस को पहले से ज्यादा बेहतर बनाने और शानदार कंटेंट पेश करने की प्रेरणा मिलती है। प्राइम वीडियो के साथ हमारी साझेदारी इस कामयाबी की मिसाल है, और हम दर्शकों के दिलों को छू लेने वाली बेहतरीन कहानियों की पेशकश के अपने इरादे पर अटल हैं। अब हमें उस लम्हे का बेसब्री से इंतज़ार है, जब दर्शक एक बार फिर से मिर्जापुर की दुनिया में वापस लौटेंगे और सीजन 3 में बेहद रोमांचक सफ़र का आनंद लेंगे। इस बार, सीजन 3 में कालीन भैया के भौकाल के साथ-साथ गुड्डु भैया की दहशत भी देखने को मिलेगी। इस बार जंगल में भौकाल मचने वाला है।

हाल ही में जारी किए गए टीजर में दिखाया गया कि इस बार आर-पार की लड़ाई है। एक्सेल मीडिया एंड एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, इस सीरीज का निर्देशन गुरमीत सिंह और आनंद अय्यर ने किया है। 'मिर्जापुर 3' 5 जुलाई को प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

अपने कैरियर की यात्रा से खुश हैं झुम्मा मित्रा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री झुम्मा मित्रा अपने अबतक के करियर की यात्रा से खुश हैं। प्रतीक शर्मा और पार्थ शाह के स्टूडियो एलएसडी के प्यार का पहला अध्याय: शिव शक्ति में पद्मा का किरदार निभाने वाली झुम्मा मित्रा अपने करियर की यात्रा से खुश हैं। उन्होंने कहा,भगवान की कृपा से मेरा करियर लंबा और फलदायी रहा है, यह एक रातों-रात मिली सफलता नहीं है, बल्कि यह एक धीमी, स्थिर और क्रमिक प्रगति है।

मैं यह सोचना चाहती हूं कि आज मैं अपने सहकर्मियों और कास्टिंग बिरादरी द्वारा एक अच्छी कलाकार के रूप में जानी जाती हूं, और मुझे लगता है कि यह एक उपलब्धि है। झुम्मा मित्रा का मानना है कि महत्वाकांक्षा, प्रेरणा, धैर्य और अनुशासन महत्वपूर्ण हैं, खासकर अभिनय जैसे अस्थिर और असुरक्षित पेशे में। उन्होंने कहा, और मुझे व्यक्तिगत रूप से लगता है कि इन कुछ कारकों के साथ, कोई व्यक्ति न केवल अपने करियर में, बल्कि जीवन में भी उत्कृष्टता प्राप्त कर सकता है।

हालांकि वह हर अवसर को भुनाना पसंद करेंगी, लेकिन व्यावहारिक रूप से यह संभव नहीं है।कई बार हम ऐसी परिस्थितियों में आ जाते हैं जब हमें चुनना होता है, इसलिए मेरे लिए, मैं जिन कारकों को ध्यान में रखती हूं, वे हैं चैनल/माध्यम, प्रोडक्शन हाउस और उसकी प्रतिष्ठा, मेरे किरदार की लंबी उम्र और शो या कहानी में उसका महत्व, प्रदर्शन का दायरा, किरदार के हिसाब से कुछ भी अलग और निश्चित रूप से, प्रोजेक्ट से होने वाले मौद्रिक लाभ।

सेट पर माहौल और बॉन्डिंग दो सबसे महत्वपूर्ण कारक हैं जो किसी अभिनेता के प्रदर्शन को बना या बिगाड़ सकते हैं।

बचपन से ही अभिनेत्री बनना चाहती थी सिंपल कौल

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सिंपल कौल का कहना है कि उनके अंदर बचपन से ही एक कलाकार की भावना थी, इसलिए वह अभिनेत्री हीं बनना चाहती थी। कुसुम, तीन बहुरानियां, सास बिना ससुराल, तारक मेहता का उल्टा चश्मा और जिद्दी दिल माने ना जैसी फिल्मों में काम करने वाली अभिनेत्री सिंपल कौल बचपन के दिनों से ही अभिनेत्री बनने का सपना देखा करती थी। उन्होंने कहा, मेरे अंदर बचपन से ही एक कलाकार की भावना थी, इसलिए शुरू से ही मुझे पता था कि मैं एक अभिनेत्री बनना चाहती हूं। जब मुझे अभिनय के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं थी, तब भी मैं शीशे के सामने अभिनय करती थी और ऐसे अभिनय करती थी जैसे मैं कोई सेलिब्रिटी हूं। मैंने अपने सपनों को तब साकार किया जब अभिव्यक्ति की अवधारणा के बारे में व्यापक रूप से बात नहीं की गई थी। मैं सिर्फ़ एक ही चीज़ जानती थी कि अपने सपनों पर ध्यान केंद्रित रखना है और उन्हें जीना है: मशहूर होना, कैमरे के सामने अभिनय करना और अलग-अलग किरदार निभाना।

उन्होंने कहा, यदि मैं अभिनय या प्रदर्शन नहीं कर सकती थी, तो जीने का कोई कारण नहीं था। समय के साथ मेरा जुनून और मजबूत होता गया। मैं थिएटर करती थी और बस अपनी प्रतिभा दुनिया को दिखाना चाहती थी। मैं अपने अंदर एक आग लेकर आई थी। सिंपल लोकप्रिय सिटकॉम शरारत से घर-घर में मशहूर हो गई।उन्होंने कहा कि यह उनका सबसे अच्छा शो था। उन्होंने कहा, मुझे इसे करने में बहुत मज़ा आया। इसने मुझे घर-घर में मशहूर बना दिया। मैं मुंबई में अपने शुरुआती दिनों में सीख रही थी और विकसित हो रही थी।

टीवी पर उनका आखिरी शो जिद्दी दिल माने ना था।उन्होंने बताया कि यह उन्हें शरारत की याद दिलाता है। ये शो युवा पीढ़ी के लिए थे और मैंने वहां अपने कुछ सबसे अच्छे दोस्त बनाए। जिद्दी दिल माने ना मेरा आखिरी शो था और मुझे इसमें बहुत मज़ा आया। यह एक आर्मी-बेस्ड शो था। शरारत से, जहां मैं बेहद मज़ेदार थी, इस शो तक, जहां मैंने खुद का एक अलग, ज़्यादा भरोसेमंद संस्करण निभाया, मैंने पहले ऐसा सामान्य, दिलचस्प किरदार नहीं निभाया है। मेरा पूरा सफ़र अविस्मरणीय रहा है।

सिंपल ने इस बात पर जोर दिया कि उनके पहले शो कुसुम से लेकर उनके आखिरी शो जिद्दी दिल माने ना तक उनकी अभिनय शैली में काफी बदलाव आया है। उन्होंने कहा, तब से लेकर अब तक की अभिनय शैली में निश्चित रूप से बदलाव आया है। अब, ज़्यादा यथार्थवाद और वास्तविक अभिनय का अनुभव है। यह देखना अच्छा लगता है कि लोगों ने थिएटर में जो कुछ भी सीखा है, उसका इस्तेमाल वेब सीरीज़ में किया जा रहा है। समय बदल गया है और अब बहुत ज़्यादा अनुभव उपलब्ध है। आज, एक अभिनेता को औसत दर्जे की शक्ल या बिल्कुल न शक्ल होने पर भी हीरो माना जा सकता है, जो पूरी तरह से प्रतिभा पर आधारित है। यह वास्तविक प्रतिभा को चमकाने का एक रोमांचक समय है।'मैंने अपने दिल की सुनी, जो कुछ भी करना चाहा, वो किया और इस आधार पर निर्णय लिए कि मुझे किरदार पसंद आया या नहीं।

फिल्म 'गिल्ट 3' को मिली प्रतिक्रिया से खुश हैं सारा खान

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री सारा खान अपनी नवीनतम फिल्म गिल्ट 3 को मिली प्रतिक्रिया से खुश हैं। सार ने फिल्म गिल्ट 3 में कृति का किरदार निभाया है और उनका दावा है कि वह अपने किरदारों को जीती हैं।उन्होंने कहा, बेशक, अपने प्रोजेक्ट के बारे में अच्छी बातें सुनना अच्छा लगता है। हर फिल्म या शो एक अभिनेता के लिए खास होता है और हम अपना सर्वश्रेष्ठ देते हैं। अब तक, मैंने अच्छी बातें सुनी हैं और मुझे खुशी है कि लोगों को यह पसंद आया।जहां तक ङ्कङ्कमेरे किरदार की बात है, वह चुलबुली, सकारात्मक, युवा और कुछ और थी, जो मेरे लिए बहुत ताज़ा थी। मैंने बस कृति को जिया, क्योंकि मैं हमेशा किरदार को जीने, किरदार की तरह सोचने और किसी भी स्थिति पर प्रतिक्रिया करने की कोशिश करती हूं। सारा ने बताया कि आज विभिन्न प्रकार की सामग्री बनाई जा रही है और हर किसी के लिए कुछ न कुछ है।

अब एक्सपोजर के कारण, दर्शक अधिक समझदार हो गए हैं और प्रत्येक सामग्री एक अलग दर्शक वर्ग को आकर्षित करती है। मुझे लगता है कि मनोरंजन केवल मनोरंजन के रूप में देखने से कहीं अधिक एक व्यवसाय है।

RNI No. 58061/93. Regn No.:
RNP/KA/BGS/2050/2018-2020
Posted at Bengaluru PSO
Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के पैलेस ग्राउंड पर जीतो साउथ चैप्टर द्वारा आयोजित हुए जीतो ग्रोथ सम्मिट में लेडीज विंग की जिम्मेदारी में जीतो गोट टैलेंट का आयोजन किया गया। जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग की कार्यक्षमता की सराहना की।

रक्तदान शिविरों में 91 यूनिट रक्त का हुआ संग्रह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जूनियर चैंबर इंटरनेशनलगार्डन सिटी ने तेरापंथ युवक परिषद गांधीनगर शाखा के साथ मिलकर बेंगलूरु के 8 विभिन्न स्थानों पर मेगा रक्तदान शिविर आयोजित किया। इस अभियान के दौरान ज़रूरतमंदों के लिए 91 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया।

इस कार्यक्रम में प्रोजेक्ट कार्यकारी श्रेया जैन, लेखा गांधी, प्रोजेक्ट प्रमुख डिंपल कानूंगा, उपाध्यक्ष सामुदायिक विकास रोशनकुमार, कोषाध्यक्ष रोहित सुराणा, सचिव नरेश गादिया और अध्यक्ष चेतन पोरवाल उपस्थित थे।

मायुम के सदस्यों ने आश्रम के बच्चों के साथ समय बिताया, खिलाया खाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मारवाड़ी युवा मंच के सदस्यों ने नरेंद्र नील फाउंडेशन के 120 बच्चों के बीच सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया तथा बच्चों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। अध्यक्ष स्नेहकुमार जाजू ने सभी बच्चों को प्रोत्साहित किया।

कोषाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने बच्चों का अध्यात्म से जुड़ाव की सराहना की। कर्नाटक प्रांत मारवाड़ी युवा मंच के उपाध्यक्ष गोपाल कुमार, कार्यक्रम के संयोजक अमित मोदी, तनुज टेकरीवाल एवं सोनू शर्मा सहित सदस्य गौरव शर्मा, एकता खंडेलवाल, वैभव खंडेलवाल, सुविधा शर्मा, सनी जैन, सविता गर्ग, पूर्व अध्यक्ष अंकित मोदी, प्रांतीय संयोजक असित अग्रवाल ने व्यवस्था संभाली। संचालन रूपाली गुप्ता ने किया। मंच के पोशक सदस्य एवं सलाहकार पंकज जालान ने धन्यवाद दिया। यह जानकारी सचिव शुभम लोहिया ने दी।

पाक में पिछले दो साल में मीडिया को चुप रहने के लिए बाध्य किया गया : इमरान का दावा

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को दावा किया कि पिछले दो साल से सरकार ने मीडिया को चुप रहने के लिए बाध्य कर दिया और असहमति जताने वाले पत्रकारों को दमन का सामना करना पड़ा है। कई मामलों में आरोपी खान को 10 महीने पहले गिरफ्तार किए जाने के बाद से रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में रखा गया है। उन्हें कुछ मामलों में दोषी भी ठहराया गया है। इमरान (71) खान ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा, पाकिस्तान में मीडिया हमेशा राज्य के नियंत्रण में रहा है, वहीं पत्रकारों को उनके आलोचनात्मक नजरिए के लिए निशाना बनाया गया है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ग़ज़ल

कैसे करता मान

कैसे करता उन लोगों का मान कभी मैं
भूल नहीं पाया अपना अपमान कभी मैं।

जिस दिन हर घर के चूल्हे पर आग जली हो,
देख नहीं पाया ऐसा दिनमान कभी मैं।

जिनका सिर झुकता है हर चौखट के आगे,
कर लेता था उनका भी गुणगान कभी मैं।

चाह नहीं है मन में अब कुछ भी पाने की,
रोज़ सजाया करता था अरमान कभी मैं।

आज लुटाना चाह रहा हूँ सबकुछ अपना,
ख़ूब जुटाया करता था सामान कभी मैं।

दुख होता है सालों जिनके साथ रहा हूँ ,
कर न सका उन लोगों का उत्थान कभी मैं।

दफ़्न हुए जिनकी आँखों में ख़्वाब हज़ारों,
दे न सका उनको पलभर मुस्कान कभी मैं।

जो औरों की भूख मिटाते हैं जीवनभर,
काश उन्हें दिलवा पाता सम्मान कभी मैं।

बिकना पड़ जाए तो बिक जाऊँगा लेकिन,
बेच नहीं सकता अपना ईमान कभी मैं।

दम होता है सालों के अनुभव का उसमें,
व्यक्त नहीं करता यूँ ही अनुमान कभी मैं।

तोड़ दिया करते हैं दिल जो अपना कहकर,
उनपर भी कर बैठा था अभिमान कभी मैं।

दूर किया हो जो निर्धन के मन की पीड़ा,
ढूँढ नहीं पाया ऐसा विद्वान कभी मैं।

लोगों को दुख पहुँचाती हैं अच्छी बातें,
छोड़ दिया बाँटा करता था ज्ञान कभी मैं।

जो करने तैयार रहे हर इच्छा पूरी,
मांग न पाया उनसे तक वरदान कभी मैं।

मुश्किल से बन पाता हूँ मैं मित्र किसी का,
मुफ़्त नहीं देता 'नवरंग' अनुदान कभी मैं।

माणिक विश्वकर्मा 'नवरंग'
मो.9424141875

बधाई — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में कर्नाटक भाजपा के अध्यक्ष बीवाई विजयेंद्र और राज्यसभा सांसद लहर सिंह सिरोया मंड्या लोकसभा क्षेत्र से जीते एचडी कुमारस्वामी को बधाई देते हुए। गौरतलब है कि मोदी मंत्रिमंडल में कुमारस्वामी को भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री बनाया गया है।

आमंत्रण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कर्नाटक इनरवियर एसोसिएशन बेंगलूरु के उपाध्यक्ष अश्विन सेमलानी ने मंगलवार को राजस्थान सरकार में कैबिनेट मंत्री जोराराम कुमावत से उनके सुमेरपुर निवास पर मुलाकात कर आगामी 16 जुलाई से बेंगलूरु में एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय ट्रड फेयर के लिए आमंत्रित किया। सेमलानी ने कैबिनेट मंत्री कुमावत को ट्रेड फेयर की जानकारी दी तथा बेंगलूरु आने का निमंत्रण दिया।

उपधान तप के तपस्वियों का किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मामुलपेट स्थित सिमंधर स्वामी राजेन्द्रसूरी जैन श्वेताम्बर मंदिर के तत्वावधान में दादा गुरुदेव की विशेष आरती की गई। इस मौके पर गायक पूजा लुणिया व दिनेश बाफना ने भजनों की प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम में आचार्यश्रक्ष अभयशेखरसूरीश्वरजी की निश्रा में उपधान तप करने वाले तपस्वियों का सम्मान आरती मंडल की ओर से किया गया। कार्यक्रम में दादा गुरुदेव की पूजा करने वाले 75 बच्चों का भी सम्मान किया गया।

दिनेशकुमार चन्दनमल चौहान परिवार द्वारा प्रायोजित इस आरती में मंडल के अध्यक्ष चम्पालाल गादिया सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे।

श्रुतपंचमी पर निकाली शोभायात्रा, हुए अनेक विधि विधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विल्सन गार्डन स्थित शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर में श्रुत पंचमी महापर्व के अवसर पर भव्य शोभायात्रा निकाली गई।

शोभायात्रा में महिलाएँ सिर पर जिनवाणी ग्रंथ और मंगल कलश, हाथों में जैन ध्वज लेकर जिनवाणी स्तुति करते हुए जय-जयकार करते हुए शामिल हुई। मंदिर में मंडल पर रजत पत्र से सुसज्जित ग्रंथराज समयसार और रत्नकरण्ड श्रावकचार विराजमान किए गए।

भगवान की वेदी के सम्मुख षटखंडागम सहित अन्य ग्रंथ विराजमान कर माँ जिनवाणी का विधान किया गया। वृषभसेन से गौतम गणधर ने तीर्थंकरों की वाणी का अर्थ बताते हुए विद्वान पंडित जी ने कहा कि भगवान ऋषभ देव से भगवान महावीर की वाणी मंगलकारी है। असंख्य भव्य जीवों का उद्धार किया है । जन्म देने वाली माता संसार में जीवन जीना सिखाती है और माँ जिनवाणी जीवन से मुक्ति का बोध कराती है। मंगलवार के दिन आचार्य धरसेन के शिष्य आचार्य पुष्पदंतजी और आचार्य भूतबलीजी ने भगवान की वाणी को प्रथम बार लिपिबद्ध किया।

जीतो महिलाओं की खोजी प्रतिभाओं ने बिखेरा जलवा, मिली सराहना

सभी प्रतिभाशाली प्रतिभागियों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के पैलेस ग्राउंड पर जीतो साउथ चैप्टर द्वारा आयोजित हुए जीतो ग्रोथ सम्मिट में लेडीज विंग की जिम्मेदारी में जीतो गोट टैलेंट का आयोजन किया गया। जीतो साउथ के अध्यक्ष दिनेश बोहरा ने महिला विंग की कार्यक्षमता की सराहना की। महिला विंग अध्यक्ष सुनीता गांधी और उनकी पूरी टीम ने इस चुनौतीपूर्ण कार्य को बखूबी अंजाम दिया। इस आयोजन में देश के 10 राज्यों के 550 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया तथा विभिन्न राउंडों में एकल नृत्य, समूह नृत्य, गायन, चित्रकारी, जादू, रेत कला, स्टेंड अप कामेडी, अन्य कलाबाजी आदि कलाओं का प्रदर्शन किया। महिला विंग की अस्मिता व उर्मिला बरडिया ने गायन, अर्पिता लधानी व निशा टुकलिया ने नृत्य तथा नीलम सांड व नीतू जैन ने अन्य कलाओं के देशभर के प्रतिभागियों को जोड़ा। इस कार्य में जीतो अपेक्स निदेशकों विनोद जैन व हितेश पालरेचा का उचित मार्गदर्शन रहा।

निर्णायक एकता शाही ने गायन, मेल्विन हेरी ने नृत्य, राहुल शर्मा व चन्दना कांकरिया ने 60 प्रतिभागियों का चयन किया। जीतो अपेक्स, केकेजी जोन, जीतो बेंगलुरु पदाधिकारियों व जीतो सदस्यों की उपस्थिति में 10 प्रतिभागियों ने फाइनल में प्रदर्शन किया। चैप्टर के महामंत्री दीपक श्रीश्रीमाल ने प्रतिभा खोज के इस अनोखे आयोजन के सफल आयोजन की सराहना की। मैसूर के आर्यन जैन को विजेता, भीलवाड़ा के ओनिक जैन को प्रथम उपविजेता एवं अहमदाबाद की जिज्ञासा पींचा को द्वितीय उपविजेता घोषित किया तथा सभी विजेताओं को ट्रॉफी व नकद राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर महिला विंग मेंटर ललिता गुलेच्छा, जोन संयोजक यशमा जैन, अपेक्स हेल्थ एंड न्यूट्रिशन कनवेनर निशा सामर, पूर्व अध्यक्षा प्रमिला भण्डारी, मधु डोसी , अनिता पिरगल एवं पिंकी जैन तथा लेडिज विंग नॉर्थ की अध्यक्ष बिंदु रायसोनी, महामंत्री सुमन वेदमूथा आदि उपस्थित थे। लेडीज विंग की सदस्याओं ने कार्यक्रम में बढ़चढ़ भाग लिया तथा अपने अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाई। बिन्दु मेहता ने मंच संचालन किया। संगीता पारेख ने आभार व्यक्त किया।

स्वादिष्ट प्रशिक्षण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

जीतो मैसूरु लेडीज विंग की 70 सदस्याओं ने नंजनगुड़ पहुंचकर दक्षिण भारत व्यजंन बनाने के गुर सीखे। कल्पना दक ने उपस्थित महिलाओं को दक्षिण भारत की व्यजंन थाली बनाने का प्रशिक्षण दिया। इस मौके पर लेडीज विंग चेयरपर्सन मोना भटेवरा, मुख्य सचिव रजनी डागलिय, उपाध्यक्ष सपना गांधी, कोषाध्यक्ष सरिता बाघमार, सहमंत्री मीनाक्षी कोठारी आदि उपस्थित थीं।

गदग में जीतो लेडीज विंग के व्यापार मेले ने भरी लम्बी उड़ान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। शहर के जीतो की लेडीज विंग ने गदग में 'उड़ान' के तहत व्यापार मेले का आयोजन किया। उड़ान जीतो की राष्ट्रीय परियोजना है जिसका उद्देश्य महिलाओं को सशक्त बनाना है। इस कार्यक्रम को पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया, जिसमें 40 से अधिक महिला उद्यमियों ने हिस्सा लिया। मेले का उद्घाटन गदग जिले की डिप्टी कमिश्नर वैशाली एमएल ने किया। गदग लेडीज की चेयरपर्सन स्वीटी भंसाली ने इस बात पर जोर दिया कि यह कार्यक्रम महिलाओं को भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान देने के लिए एक अमूल्य अवसर और मंच प्रदान करता है। चेयरमैन अनिल कुमार जैन ने सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्यक्रम के प्रबंधन की देखरेख संयोजक इंद्रा बागमार ने की। इस मौके पर केकेजी जोन संयोजक यशमा जैन, सीएस प्रवीण चौधरी, गदग संयोजक सुरेश जैन, जितेंद्र भंसाली, जीतेंद्र जीरावाला, मनीष भंसाली और अन्य शामिल थे।

वितरण — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु विजयनगर के मारुति मेडिकल्स के प्रमुख महेन्द्र मुणोत के नेतृत्व में संचालित विद्या सुरक्षा योजना के तहत मंगलवार को कुदुर ग्राम के सरकारी विद्यालय में विद्यार्थियों को शिक्षण सामग्री वितरित करते हुए महेंद्र मुणोत।

मुइज्जू ने भारत से द्विपक्षीय संबंध मजबूत करने के तौर तरीकों पर चर्चा की : मालदीव

माले। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत की अपनी पहली आधिकारिक यात्रा पर देश के साथ द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तौर तरीकों पर चर्चा की। मालदीव के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को माले में यह जानकारी दी। चीन समर्थक माने जाने जाने वाले मुइज्जू प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत यात्रा पर गए थे।

मोदी ने रविवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का नेतृत्व करते हुए तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे और मॉरीशस के राष्ट्रपति प्रविंद कुमार जगन्नाथ सहित भारत के पड़ोसी देशों और हिंद महासागर क्षेत्र के शीर्ष नेताओं ने समारोह में भाग लिया। विदेश मंत्रालय के अनुसार मुइज्जू अपनी आधिकारिक यात्रा के बाद मंगलवार सुबह माले लौटे।

मंत्रालय ने एक बयान में कहा, राष्ट्रपति (मुइज्जू) ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री और भारत सरकार के मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की यात्रा की। यात्रा के दौरान राष्ट्रपति मुइज्जू ने भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रौपदी मुर्मू द्वारा गणमान्य अतिथियों के सम्मान में आयोजित भोज में भाग लिया। उन्होंने मालदीव और भारत के बीच द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की। नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया, दोनों नेताओं ने दोनों देशों के बीच दीर्घकालिक और बहुआयामी संबंधों पर चर्चा की तथा लोगों के बीच संपर्क, क्षमता निर्माण सहयोग और व्यापारिक संबंध तथा विकास सहयोग सहित हमारे व्यापक द्विपक्षीय सहयोग के महत्वपूर्ण स्तंभों पर प्रकाश डाला।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com